समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मई २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०५

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

२३ मई २०२६; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक कोलकाता में आयोजित हुआ। बैठक को (जुम के माध्यम से) राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने संबोधित किया। चित्र में परिलक्षित हैं - पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री गिरधारी लाल गोयनका, श्री राज कुमार मिश्रा (जूम), श्री गोकुल चंद बजाज (जूम), राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान एवं श्री पवन कुमार बंसल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा (जूम), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनील मलावत, श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री विष्णु अग्रवाल, श्री दिनेश सराफ, श्री पियूष क्याल, श्री अमित डाबरीवाल, श्री बाबू लाल बंका, श्री राज कुमार अग्रवाल, श्री गोपी धुवालिया, श्री इन्द्रचंद मेहरीवाल, श्री संदीप सेकसरिया, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री उत्तम कुमार गुप्ता, श्री शिव कुमार बागला, श्री मधुसूदन सफ्फड़, श्री महेश पटवारी, श्री जगदीश प्रसाद सिंघी, श्री रमाकांत देवड़ा, श्री अनिल कुमार डालमिया, श्री महेश कुमार काबरा, श्री बिनोद कुमार लिहला एवं अन्य सदयगण।

इस अंक में

संपादकीय

- पश्चिम बंग चुनाव- सरकार में समाज के प्रतिनिधित्व की आशा बलवती

अध्यक्षीय

- मातृभाषा राजस्थानी को मिला संवैधानिक संबल

प्रांतीय समाचार

- पूर्वोत्तर, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्कल सिक्किम, गुजरात, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र

विशेष पेज-१९

संस्कार-संस्कृति चेतना

- सच्चा सद्गुरु
- सच्चा सुख और आनंद
- असली स्नान, प्रार्थनाएँ
- दुख और नमक
- करुणानिधि की करुणा
- लालच ने छीनी शांति

रपट

- राष्ट्रीय चिंतन बैठक मंथन
- जनगणना २०२६ को लेकर वर्चुअल बैठक
- राष्ट्रीय पदाधिकारियों का रानीगंज, आसनसोल और दुर्गापुर शाखाओं का दौरा
- राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक
- सम्मेलन की नवगठित अखिल भारतीय समिति

-: सूचना :-

अखिल भारतीय समिति की बैठक

१४ जून २०२६, विशाखापट्टनम

आतिथ्य: आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The **wood** of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆मई २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ५

◆एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **चिट्ठी आई है** ३
- **संपादकीय :** ५
  पश्चिम बंग चुनाव : सरकार में समाज के प्रतिनिधित्व की आशा बलवती
- **अध्यक्षीय :** ६
  मातृभाषा राजस्थानी को मिला संवैधानिक संबल
- **सम्मेलन समाचार एवं रपट**
  राष्ट्रीय चिंतन बैठक 'मंथन' ८
  जनगणना २०२६ को लेकर वर्चुअल बैठक ९
  राष्ट्रीय पदाधिकारियों का रानीगंज, आसनसोल और दुर्गापुर शाखाओं का दौरा
  राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक १०
  सम्मेलन की नवगठित अखिल भारतीय समिति ११-१२,१५
  भाषा विमर्श - **राजेन्द्र जोशी** १७

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

  सच्चा सद्गुरु १९-२२
  सच्चा सुख और आनंद, असली स्नान, प्रार्थनाएं, दुख और नमक
  करुणानिधि की करुणा, लालच ने छीनी शांति
- **प्रांतीय समाचार**
  पूर्वोत्तर, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्कल, सिक्किम, गुजरात, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र १८,२३-२६, २९-३४
- भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान से सम्मानित 'प्रेम मिलन' कोलकाता ३५
- नए सदस्यों का स्वागत ३६-३८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

माननीय अध्यक्ष श्री गोयनका जी,

आपका लेख "नव-चेतना का शंखनाद: सरकार, समाज और संस्कारों का संगम" अत्यंत प्रेरणादायी, चिंतनशील और समय की आवश्यकता के अनुरूप मार्गदर्शक है। आपने जिस गहराई और सरलता से "विकास" के वास्तविक अर्थ को प्रस्तुत किया है, वह हृदय को स्पर्श करने वाला है।

आज के तथाकथित "सूचना युग" में आपने "संस्कारों के युग" की आवश्यकता पर जो बल दिया है, वह अत्यंत सार्थक और यथार्थपरक है। यह सत्य है कि केवल सरकारी नीतियों से समाज का संपूर्ण विकास संभव नहीं, बल्कि उसके लिए जागरूक, जिम्मेदार और संस्कारित नागरिकों का होना अनिवार्य है।

आपके द्वारा प्रस्तुत उदाहरण–रामसेतु निर्माण, पत्थर हटाने वाले किसान की कथा, तथा परिवार की भूमिका–इन सभी ने यह स्पष्ट किया है कि समाज की मजबूती का आधार आम नागरिक और उसके संस्कार ही हैं। विशेष रूप से "परिवार" को एक प्रयोगशाला के रूप में दर्शाना, जहाँ से श्रेष्ठ नागरिकों का निर्माण होता है, अत्यंत प्रभावशाली विचार है।

आज के समय में जब परिवारों में संवाद की कमी और संस्कारों का क्षरण देखने को मिलता है, आपने जिस तरह "संवाद", "सम्मान" और "संस्कार" की त्रिवेणी को पुनः स्थापित करने का संदेश दिया है, वह समाज के लिए दिशा-दर्शक है।

आपका यह संदेश कि "सरकार पारदर्शी हो, समाज जागरूक हो और संस्कार व्यवहार में झलकें"–वास्तव में एक आदर्श राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है।

यह लेख केवल विचार नहीं, बल्कि एक सशक्त संकल्प है–एक ऐसे भारत के निर्माण का, जहाँ विकास के साथ मानवीय मूल्यों की भी समृद्धि हो।

आपके इस उत्कृष्ट लेख के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं साधुवाद। यह निश्चित ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बनेगा।

सादर,

– मनीष बाजोरिया, सूरत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)

म्हारी चाह - संगठित समाज

४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata-700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता
राजनीतिक चेतना, सामाजिक
उत्थान एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
पवन कुमार गोयनका
93125 09329

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
शिव कुमार लोहिया
98305 53456

राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण
गिरधारी लाल गोयनका
98310 06972
डॉ. सुभाष अग्रवाल
91415 00000
बिनोद तोदी
93341 11345
राज कुमार मिश्रा
93139 94500
पुरुषोत्तम सिंघानिया
97555 57777
गोकुल चन्द बजाज
93777 78333

राष्ट्रीय महामंत्री
केदार नाथ गुप्ता
98306 48056

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री
पवन कुमार जालान
98300 43207
पवन कुमार बंसल
98309 55380

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
बसंत कुमार सुराना
94014 53962

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
अनिल कुमार मलावत
98310 37556

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल
उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश
मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़
आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु
गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना
केरल एवं सिक्किम

अ.भा.मा.स./१६/२०२६-२७ १४ मई २०२६

अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों की सेवा में

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति के नए सत्र की द्वितीय बैठक आगामी **१४ जून २०२६ (रविवार)** को **सुबह ११.०० बजे** से आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में **राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल, भवन, १५-६-६ शेलेशवरसेन लेन, महाराणी पेटा, कृष्ण मंदिर के पास, विशाखापट्टनम - ५३०००२, आंध्र प्रदेश** में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गई है। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका करेंगे।

बैठक में आपकी उपस्थिति सादर निवेदित है।

भवदीय

(केदार नाथ गुप्ता)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषयः

१. अध्यक्षीय संबोधन।
२. अखिल भारतीय समिति की गत बैठक का कार्यवृत (संलग्न) पारित करना।
३. राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा विगत कार्यकलापों की जानकारी।
४. प्रांत प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों, प्रांतीय अध्यक्षों/महामंत्री द्वारा संगठन प्रगति की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी की संक्षिप्त रपट।
५. भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श।
६. माननीय पुर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगणों का उद्गार।
७. विविध - राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति से।

महत्वपूर्ण ध्यानार्थः आंध्र प्रदेश के बाहर से पधारने वाले सभी सम्मानीय अखिल भारतीय समिति के सदस्यों से विनम्र अनुरोध है कि वे अपने आगमन एवं प्रस्थान संबंधी सूचना कोलकाता स्थित केंद्रीय सम्मेलन मुख्यालय (मो.-8697317557 या ईमेलः aimf1935@gmail.com एवं आंध्र प्रदेश में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, फोन : 9440781212 अथवा श्री सुनील कुमार राठी, फोन : 9440147162 को यथाशीघ देने की कृपा करें, ताकि आतिथ्य प्रांत को आवश्यकतानुसार समुचित व्यवस्था सुचारु रुप से करने में सहूलियत हो।

All India Marwari Federation marwarisammelan.in All India Marwari Federation
+91-33-4004 4089
+91 86973 17557
aimf1935@gmail.com

सरकार में समाज के प्रतिनिधित्व की आशा बलवती

ऐसा समझा जाता है कि राजस्थान के बाहर देश में पश्चिम बंगाल एक ऐसा राज्य है जहां मारवाड़ियों की संख्या सर्वाधिक है। यहां उद्योग, वाणिज्य, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में मारवाड़ियों का योगदान महत्वपूर्ण है। पश्चिम बंगाल में इस समुदाय की राजनीतिक क्षेत्र में पैठ अपेक्षा से बहुत कम रही है। महात्मा गांधी के सहयोगी एवं सुप्रसिद्ध उद्योगपति घनश्याम दास बिडला कोलकाता से ही थे। स्वतंत्रता के पश्चात उनसे संबंधित एक ऐसी घटना का जिक्र तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रफुल्ल चंद्र घोष ने अपने संस्मरण में किया है जिससे पता चलता है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में परोक्ष रूप से वे सक्रिय थे। घोष ने एक घटना का जिक्र करते हुए लिखा है कि दिसंबर १९४७ में एक दिन घनश्याम दास बिरला मेरे पास आए। उन्होंने मुझे एक पत्र सौपा। यह पत्र कांग्रेस विधायक दल के बहुमत के लिए आवश्यक संख्या से तीन चार अधिक विधायकों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था। इस पत्र में मुझ पर कोई आरोप नहीं था पर यह लिखा था कि बेहतर प्रशासन के लिए नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता है और वे चाहते हैं कि डॉक्टर विधान चंद्र राय मुख्यमंत्री की बागडोर संभाले। आगे बढ़ने से पहले आवश्यक है कि अति संक्षेप में हम कुछ अंकड़े खंगाले।

ईश्वर दास जी जालान ने २१ नवंबर १९४७ से १९ जून १९५२ तक पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष का दायित्व निभाया। इसके पहले वे अविभाजित बंगाल के कानून मंत्री रह चुके थे। विजय सिंह नाहर और रामकृष्ण सरावगी भी पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री रहे। संयुक्त बामफ्रंट सरकार का जून १९७७ में गठन होने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार में समाज का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया। अविभाजित बंगाल के प्रथम विधानसभा (१९३७ से १९४५) में समाज के पांच विधायक – १९४६ में द्वितीय विधानसभा का गठन हुआ इसमें भी पांच विधायक रहे। उसके बाद मारवाड़ी विधायकों की संख्या में कमी होती गई। २००६ एवं २०२१ में गठित विधानसभा में एक-एक मारवाड़ी विधायक रह गए। अभी तक पश्चिम बंगाल से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने का गौरव एकमात्र मारवाड़ी स्वर्गीय विजय सिंह नाहर को प्राप्त हुआ जो को १९७७ में निर्वाचित हुए थे।

इसी परिप्रेक्ष्य में २०२६ में हुए विधानसभा चुनाव में मारवाड़ियों की भूमिका एवं उसकी सकारात्मक स्वीकारोक्ति एक नई शुरुआत है। इस बार समाज के जिन प्रतिनिधियों ने सफलता प्राप्त की है उनके नाम है- जोड़ासाकू से विजय ओझा, उत्तर बनगांव से अशोक कीर्तनीया, कुल्टी आसनसोल से अजय पोद्दार, बेलडांगा से भारत कुमार झंवर, गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा, राजारहाट से पवन कनोडिया, जगतदल से डॉ राजेश कुमार, इस्लामपुर से कन्हैयालाल अग्रवाल। यह सब ऐसे इलाके हैं जहां पर सभी समुदायों के लोगों ने मारवाड़ी उम्मीदवारों को अपना समर्थन दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि राजनीति के प्रति समाज में रुचि बढ़ रही है। इसके अलावा अन्य हिंदी भाषी विधायक जो चुने गए हैं उनमें तरुण ज्योति तिवारी, अर्जुन सिंह, रितेश तिवारी, जितेंद्र तिवारी एवं दिलीप सिंह प्रमुख हैं।

इन उल्लेखनीय सफलताओं के अलावा वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नए चुनाव क्षेत्र भवानीपुर में जो उन्हें सफलता मिली उसमें मारवाड़ी समुदाय की भूमिका विशेष चर्चा में है। भवानीपुर में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद शुभेंदु अधिकारी का यह बयान भी सुर्खियों में है जिसमें उन्होंने कहा था कि यह विजय राजस्थान के नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ और उनके साथ आठ विधायकों की टीम की मेहनत का परिणाम है। वास्तविक में चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता गया यह स्पष्ट होने लगा कि इस बार प्रवासी मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सभी एक समुदाय के रूप में उन्हें अपने पक्ष में लेने का प्रयास कर रहे थे। राजस्थान दिवस के अवसर पर ३० मार्च को ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में राजस्थानी और मारवाड़ी समुदायों के योगदान ने राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उनकी निरंतर प्रगति के लिए 'शांति, खुशी और सद्भाव' का वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में राजस्थानी और मारवाड़ी समुदाय हमेशा 'बंगाल परिवार' का अभिन्न अंग रहेगा। उन्होंने आगे कहा, 'हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि आप सभी के साथ शांति, खुशी और सद्भाव के वातावरण में निरंतर विकास, समृद्धि और खुशहाली प्राप्त करते रहें।'

इस चुनाव ने यह साबित कर दिया कि पश्चिम बंगाल के कई शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्र में रह रहे प्रवासी मतदाता अब केवल संख्या भर नहीं, सत्ता का समीकरण बदलने वाली ताकत बन चुका है। इस बात को दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भी अब समझ रही है। सुभेंदु अधिकारी ने जीत के बाद आयोजित अभिनंदन समारोह में सिख, जैन, गुजराती, मारवाड़ी, पूर्वांचली सभी लोगों से प्राप्त समर्थन को स्वीकार किया और कहा कि उन्होंने खुलकर के मुझे वोट दिया है। **उन्होंने यह भी कहा कि "हमारी मारवाड़ी समाज ने जय खाटू श्याम बोल करके हमें भरपूर आशीर्वाद दे दिया।"**

यह संतोष का विषय है कि प्रवासी विधायक राज्य के फैले हुए अलग-अलग क्षेत्र से चुने गए हैं। **यह आशा की जा सकती है कि इस बार समाज से कोई व्यक्ति सरकार में मंत्री पद हासिल करेगा।** हमारे समाज के जो विधायक गए हैं उन्हें अपनी एक अलग छवि बनानी है एवं अल्पसंख्यक नहीं, अपने क्षेत्र के समग्र लोगों के प्रतिनिधि के रूप में काम करके सभी का प्रेम एवं स्नेह जीतना है। यह एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। बंगाल में मारवाड़ी समाज के प्रतिनिधि के रूप में विधायिका एवं सरकार में प्रतिनिधित्व का जो अकाल पड़ गया था उसका अंत हुआ है।

समाप्त करने से पहले मैं १९४७ की घटना का जिक्र करना चाहूंगा। स्वतंत्रता के बाद में १५ अगस्त १९४७ को प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रफुल्ल चंद्र घोष ने शपथ ग्रहण की थी। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के लिए नामों का चयन कर लिया था। उसके बाद उन्होंने अपने संस्मरण में लिखा है कि अचानक उन्हें एक व्यक्ति द्वारा महात्मा गांधी का लिखा हुआ एक पत्र प्राप्त हुआ जिसमें लिखा था कि उनके मंत्रिमंडल में एक मारवाड़ी को शामिल किया जाए - बद्री दास गोयनका या देवी प्रसाद खेतान। मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि मुझे मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के नाम का चयन करने के बाद किसी नए सदस्य को मंत्रिमंडल में शामिल करने का औचित्य समझ में नहीं आ रहा था। मै सभी नामों पर आलाकमान की सहमति ले चुका था, जिससे सरदार पटेल भी शामिल थे। मैंने महात्मा गांधी से संपर्क करने का प्रयास किया। जब मैं नहीं कर सका तो मैं आचार्य कृपलानी से अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने गांधी जी को बताया तो गांधी जी ने जवाब दिया कि जब प्रफुल्ल को नहीं जच रहा है तो वह यह समझ ले कि महात्मा गांधी ने लिखा ही नहीं है कुछ।

तब से अब तक गंगा से बहुत पानी बह चुका है। राजनीति के क्षेत्र में समाज के व्यक्तियो की सफलता एवं समाज में आई चैतन्यता एवं उसकी स्वीकारोक्ति एक आशा का नवोदय है।

मैं सभी निर्वाचित विधायको के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाईयाँ प्रेषित करता हूँ। साथ ही समाज के असंख्य राजनीतिक कार्यकर्ताओं को भी उनके योगदान के लिए साधुवाद।

शिव कुमार लोहिया

मातृभाषा राजस्थानी को मिला संवैधानिक संबल

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

आज संपूर्ण मारवाड़ी समाज ही नहीं, बल्कि देश-विदेश में बसे करोड़ों राजस्थानी भाषियों और मारवाड़ी समाज के लिए गर्व, आत्मगौरव और ऐतिहासिक उपलब्धि का दिवस बन गया है। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में राजस्थानी भाषा को शिक्षा के माध्यम तथा अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने का जो ऐतिहासिक निर्णय दिया गया है, वह केवल न्यायिक आदेश नहीं, बल्कि हमारी मातृभाषा, संस्कृति और पहचान को मिला संवैधानिक सम्मान है। यह निर्णय उन लाखों लोगों के दशकों पुराने संघर्ष, समर्पण और अथक प्रयासों की विजयगाथा है, जिन्होंने सदैव "म्हारी भाषा, म्हारी पहचान" के संकल्प को जीवित रखा।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि मातृभाषा में अभिव्यक्ति केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अस्तित्व और मौलिक अधिकार से जुड़ा विषय है। यह टिप्पणी अपने आप में ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे यह सिद्ध हो गया कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समाज की आत्मा, संस्कृति और अस्मिता की पहचान होती है।

राजस्थानी भाषा को उसका अधिकार दिलाने की यह लड़ाई आसान नहीं रही। वर्षों तक सरकारों ने कभी संवैधानिक मान्यता का अभाव तो कभी नीतिगत कारणों का हवाला देकर इस मांग को टालने का प्रयास किया। जबकि २०११ की जनगणना के अनुसार देश में ४ करोड़ से अधिक लोग राजस्थानी भाषा बोलते हैं। निष्चित ही विगत १५ सालों में राजस्थानी भाषा बोलने वालों की अच्छी खासी वृद्धि हुई है। इतनी समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत वाली भाषा को लंबे समय तक उपेक्षित रखना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण था।

इस ऐतिहासिक आंदोलन में पत्रकारिता और साहित्य जगत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। विशेष रूप से दैनिक 'जलतेदीप' एवं राजस्थानी पत्रिका 'माणक' के मुख्य संपादक और प्रकाशक आदरणीय श्री पदम मेहता जी ने अपनी लेखनी को राजस्थानी भाषा के सम्मान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने दशकों तक समाचार पत्रों, लेखों और वैचारिक अभियानों के माध्यम से राजस्थानी समाज की भावनाओं को मुखर स्वर प्रदान किया। उनकी निष्ठा, दूरदर्शिता और अथक संघर्ष ने इस आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा दी। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि यदि ऐसी निर्भीक पत्रकारिता और सामाजिक चेतना का नेतृत्व नहीं मिलता, तो यह ऐतिहासिक विजय इतनी शीघ्र संभव नहीं हो पाती।

इसी प्रकार कोलकाता में प्रवासरत वरिष्ठ साहित्यकार और राजस्थानी भाषा आंदोलन के प्रखर सेनानी एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन शाह जी तथा राजस्थानी प्रचारिणी सभा का योगदान भी अत्यंत वंदनीय है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों के बीच भाषा और संस्कृति की चेतना को जीवित रखा तथा समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान सरकार की उस दलील को भी स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया जिसमें केवल संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं को प्राथमिकता देने की बात कही गई थी। न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि जब विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा का अध्ययन, अध्यापन और शोध संभव है, तो फिर विद्यालय स्तर पर इसे लागू करने में आपत्ति क्यों? अदालत की यह टिप्पणी सरकारों की शिथिलता और भाषाई उपेक्षा पर सीधा प्रहार है।

यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्च् २०२०) की भावना के भी पूर्णतः अनुरूप है। नई शिक्षा नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए, क्योंकि बच्चे अपनी सहज भाषा में अधिक प्रभावी ढंग से सीखते और समझते हैं। वैज्ञानिक शोध भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की समझ, आत्मविश्वास और रचनात्मकता अधिक विकसित होती है।

राजस्थानी भाषा को विद्यालयों में स्थान मिलने से अनेक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि नई पीढ़ी अपनी भाषा, संस्कृति, लोककला, साहित्य और इतिहास से पुनः जुड़ सकेगी। वर्तमान समय में वैश्वीकरण और आधुनिकता के प्रभाव में अनेक क्षेत्रीय भाषाएं संकट का सामना कर रही हैं। ऐसे समय में यह निर्णय हमारी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का मजबूत आधार बनेगा।

इसके अतिरिक्त शिक्षण, पत्रकारिता, अनुवाद, साहित्य, लोककला और सांस्कृतिक पर्यटन जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में राजस्थानी भाषा और साहित्य को महत्व मिलने से स्थानीय युवाओं को भी सीधा लाभ प्राप्त होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह निर्णय प्रत्येक राजस्थानी के मन में आत्मगौरव और भाषाई स्वाभिमान की भावना को और अधिक सशक्त करेगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान सरकार को ३० सितंबर २०२६ तक चरणबद्ध नीति बनाकर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। इससे स्पष्ट है कि अदालत इस विषय को केवल सैद्धांतिक घोषणा तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे धरातल पर प्रभावी रूप से लागू होते देखना चाहती है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने ९ नवंबर २०२४ को राजस्थान के माननीय गृहमंत्री श्री अमितजी साह को राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए एक अनुरोध पत्र भेजा गया। उसके बाद बतौर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मैंने २४ जनवरी २०२६ को राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा तथा राजस्थान सरकार के स्कूल शिक्षा, संस्कृति एवं पंचायती राज विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री मदन दिलावर को भेजा गया था। दिनांक २८ जनवरी २०२६, २८ अप्रैल २०२६ एवं ११ मई २०२६ को सम्माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दासजी मोदी, माननीय गृहमंत्री श्री अमित जी साह, केंद्रीय कानून एवं न्यायमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन रामजी मेघवाल, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंहजी शेखावत, लोकसभा स्पीकर माननीय श्री ओम बिड़ला जी एवं केंद्रीय वाणिज्य और उद्योगमंत्री श्री पियूष गोयल जी को अनुरोध पत्र भेजा गया।

अब यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है कि इस ऐतिहासिक निर्णय को सफल बनाया जाए। हमें अपनी मातृभाषा के प्रति गर्व का भाव जागृत करना होगा। आगामी जनगणना में प्रत्येक राजस्थानी भाषी को अपनी मातृभाषा के रूप में 'राजस्थानी' लिखकर इस आंदोलन को और मजबूत बनाना चाहिए।

आज यह विजय केवल एक भाषा की जीत नहीं, बल्कि संस्कृति, पहचान और स्वाभिमान की जीत है। यह संदेश देती है कि जब समाज संगठित होकर अपनी अस्मिता के लिए संघर्ष करता है, तो इतिहास बदलता है। आइए, हम सब मिलकर इस संकल्प को दोहराएं -

"म्हारी भाषा, म्हारी शान - राजस्थानी रो बढ़े मान"।

फा. सं०. 1.21011/17/2025-एन. आई-II
भारत सरकार
गृह मंत्रालय
आई एस-I प्रभाग (एन. आई-II)

हॉल नं. 23, द्वितीय तल, मेजर ध्यान चन्द्र
नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली - 110001
दिनांकः 30.04.2026

सेवा में

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (4 तल्ला), 41, शेक्सपीयर सरणी,
कोलकाता - 700017

विषयः राजस्थानी भाषा को संविधान की आंठवी अनुसूची में शामिल करने के संबंध में

महोदय,

कृपया, उपरोक्त विषय माननीय गृहमंत्री को सम्बोधित अपने ई-मेल दिनांक 28.01.2026 और 08.04.2026 के पत्रों का संदर्भ लें, जो कि अधोहस्ताक्षरी को दिनांक 05.02.2026 और 28.04.2026 को प्राप्त हुए है।

2. इस संबंध में, मैं आपको यह अवगत कराना चाहता हूँ कि वर्तमान में संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं शामिल हैं। विगत में 'राजस्थानी' भाषा सहित कई और भाषाओं को शामिल किए जाने की मांग की जाती रही है।

3. चूंकि बोलियों और भाषाओं का विकास एक गतिशील प्रक्रिया है, और यह सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों से प्रभावित होती है, इसलिए भाषाओं के मामले में कोई भी मानदंड तय करना कठिन होता है, चाहे वह उन्हें बोलियों से पृथक करना हो या फिर संविधान की आठवीं अनुसूची में उन्हें शामिल करना हो। पहले भी, पाहवा (1996) और सीताकान्त मोहपात्रा (2003) समितियों के माध्यम से इस तरह के मानदंड विकसित किये जाने की कोशिश की गयी थी, लेकिन वे बेनतीजा रहीं। भारत सरकार, आठवीं अनुसूची में अन्य भाषाओं को शामिल करने से संबंधित भावनाओं तथा मांगों को लेकर सचेत है और ऐसे अनुरोधों के बारे में, इन भावनाओं तथा अन्य प्रासंगिक बातों को ध्यान में रखकर विचार करना होगा।

भवदीय
विजय प्रताप
30/4/26
(विजय प्रताप सिंह)
उप-सचिव (एन आई)
दूरभाषः 011-23075286

राष्ट्रीय चिंतन बैठक 'मंथन'

सामाजिक जागरण हेतु समाज सुधार और महिला सशक्तिकरण के लिये प्रस्ताव पारित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम मंथन (सामाजिक जागरण हेतु राष्ट्रीय चिंतन) का भव्य आयोजन लाडनूं में दिनांक: २ एवं ३ मई २०२६ को जैन विश्व भारती के आतिथ्य एवं आचार्य श्री महाश्रमण जी के सानिध्य में किया गया। सामाजिक जागरण और राष्ट्रव्यापी विजन को समर्पित इस बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास एवं सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने बैठक की अध्यक्षता की एवं बैठक को संबोधित करते हुए समाज के हर वर्ग से अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रमुख निर्णय और प्रस्ताव:

चरित्र निर्माण और युवा सहभागिता: बैठक में बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए बचपन से ही उनमें नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक मर्यादाओं के बीजारोपण को अनिवार्य बताया गया। साथ ही, युवाओं की ऊर्जा को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़कर राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर बल दिया गया।

महिला सशक्तिकरण: समाज की कार्यशील प्रगति के लिए महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल करने और उनकी सामाजिक एवं सांस्कृतिक सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

मायड़ भाषा और संस्कृति का संवर्धन: पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के बीच अपनी समृद्ध विरासत को सहेजने के लिए मायड़ भाषा (मारवाड़ी) के संरक्षण और भारतीय त्योहारों को उनके पारंपरिक स्वरूप में मनाने पर जोर दिया गया।

सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन: समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने हेतु कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। इनमें प्री-वेडिंग शूट पर अंकुश लगाने, विवाह के अवसरों पर फिजूलखर्ची रोकने और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं द्वारा नृत्य न करने जैसे बिंदु शामिल हैं। साथ ही, विवाह एवं अन्य समारोहों में महिलाओं के मेकअप और मेहंदी के लिए पुरुष कलाकारों के स्थान पर अनिवार्य रूप से महिला कलाकारों को ही नियुक्त करने पर जोर दिया गया है।

कैरियर मार्गदर्शन और विवाह प्रकोष्ठ : युवाओं को उनके पारंपरिक व्यापारिक कौशल के लिए प्रोत्साहन के साथ-साथ आधुनिक कैरियर हेतु मार्गदर्शन देने और परिवारों में बढ़ते बिखराव को रोकने के लिए 'विवाह प्रकोष्ठ' (मैरिज सेल) के गठन का प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में पारित इन सभी प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए एक विशेष कमेटी के गठन की घोषणा की गई है।

इस चिंतन बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत कुमार सुराणा, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बंसल, दिल्ली प्रांत के निवर्तमान अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, दिल्ली के प्रांतीय महामंत्री श्री बसंत पोद्दार, मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी, पूर्वोत्तर के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, श्री मन्नालाल वेद, श्री शुभ करण बोथरा, श्री सज्जन शर्मा, श्री बाबूलाल बंका, श्री संजय अग्रवाल एवं मंथन में सहभागिता हेतु पूरे देश से पधारे सभी सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों- अग्रवाल सम्मेलन, जैन समाज, महेश्वरी समाज, खंडेलवाल समाज, ब्रह्मण समाज, जाट समाज, स्वर्णकार समाज, तेरापन्थ समाज, तेरापंथ महिला मंडल, अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, तेरापंथ युवक परिषद ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जनगणना २०२६ को लेकर वर्चुअल बैठक

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 'जनगणना २०२६' के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक का आयोजन १३ अप्रैल को सायं ५ बजे किया गया। इस बैठक में भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जातीय जनगणना के अंतर्गत जनगणना प्रपत्र में जाति, उपजाति, मातृभाषा एवं धर्म के कॉलम में उपयुक्त विवरण भरने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका की बैठक में राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय युवा मंच एवं राष्ट्रीय महिला सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न प्रांतों के शीर्ष एवं पूर्व पदाधिकारियों को आमंत्रित कर उनके विचार एवं सुझाव लिये गए। सभी प्रतिभागियों ने इस विषय को समाज के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सम्मिलित एवं सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रूँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, श्री संतोष सराफ ने भी अपनी बात एवं विचार साझा किए।

पूर्वोत्तर क्षेत्र से प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री प्रमोद तिवाड़ी तथा श्री रमेश कुमार चांडक ने अपने विचार रखते हुए जनगणना प्रपत्र के विभिन्न कॉलमों में जानकारी दर्ज करने के संबंध में व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्तमान में घर-घर जाकर सर्वेक्षण का कार्य जारी है, जबकि जातीय जनगणना प्रारंभ होने में अभी कुछ समय शेष है। इस अवधि का उपयोग करते हुए समाज के अन्य घटक संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों से संपर्क कर व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही यह भी तय किया गया कि जैसे ही जनगणना पत्रक की प्रति उपलब्ध होगी, उसके कॉलमों का गहन अध्ययन कर त्वरित बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे समाज के लिए एक सम्मिलित एवं सर्वमान्य निर्णय तैयार किया जा सके। इस बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री निर्मल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता, श्री रतन साह, श्रीआत्माराम सोंथलिया, पूर्वोत्तर के प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश चाण्डक, पूर्व महामंत्री श्री प्रमोद तिवाड़ी, पूर्वोत्तर के उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री विनोद लोहिया, महिला सम्मेलन की श्रीमती निधि अग्रवाल, श्रीमती रश्मि संतनालिका, श्रीमती कविता सराफ, श्रीमती रेणु अग्रवाल, श्रीमती विजयश्री रावत, श्रीमती कंचन डोलिया, डॉ. अभय लढ़ा एवं अनेक सम्मानिय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पदाधिकारिओं का रानीगंज, आसनसोल और दुर्गापुर शाखाओं का दौरा

२१ मई २०२६ को राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री पवन बसंल का दौरों की श्रृंखला में रानीगंज में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रानीगंज शाखा और अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रानीगंज शाखा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को करियर मार्गदर्शन पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। श्रीश्री सीताराम जी भवन में दिनांक २१ मई २०२६ को आयोजित यह कार्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं, युवक-युवतियों और स्थानीय परिवारों के मार्गदर्शन के लिए रखा गया था। कार्यक्रम की शुरुआत कलाकारों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध उद्योगपति विमल पटवारी ने 'व्यापार का विस्तार कैसे करें और करियर मार्गदर्शन' विषय पर अपने विचार साझा किए। चार्टर्ड अकाउंटेंट विकास जैन ने 'व्यापारिक विकास और आत्म-विकास' के गुर सिखाए। धार्मिक सत्र में गीता मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. स्वामी चिदानंद ब्रह्मचारी महाराज ने संस्कारवान माता-पिता और संस्कारी समाज के निर्माण पर अपना व्याख्यान दिया, जबकि ओडिशा राज्य ब्रह्मण परिषद की अध्यक्ष कामेश्वरानंद ब्रह्मचारी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों की शंकाओं का समाधान करते हुए उनके सवालों के जवाब दिए।

दूसरे पड़ाव में आसनसोल शाखा के दौरे पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बसंल के पहुँचने पर आसनसोल शाखा के अध्यक्ष श्री नरेश अग्रवाल, श्री रमेश सराफ, श्री दिनेश सराफ संग बैठक की। बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के विषय पर सार्थक चर्चा हुई।

अगले पड़ाव में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बसंल के दुर्गापुर शाखा पहुँचने पर शाखा पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। बैठक में श्री अशोक कजारिया–उपाध्यक्ष, श्री राजेश कुमार अग्रवाल–सचिव, श्री बृजमोहन गुप्ता–कोषाध्यक्ष, श्री राजीव अग्रवाल–संयुक्त कोषाध्यक्ष, श्री दिनेश शर्मा, श्री मनीष गोलछा, श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री राम गोविन्दा अग्रवाल, श्री संजय अग्रवाल एवं श्री सतीश बजाज उपस्थित थे। बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा की गई।

संगठन की शक्ति एकता और सेवा में : पवन गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक दिनांक २३ मई २०२५ को सम्मेलन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता (ज़ूम के माध्यम से) राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने की।

राष्ट्रीय महामंत्री ने बैठक की शुरुआत तीन बार ॐ के उच्चारण के साथ की एवं सभी उपस्थित सदस्यों से अपना परिचय एवं कार्यक्षेत्र को बारे में बताने का आग्रह किया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि आज अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२५–२७ की प्रथम राष्ट्रीय स्थायी समिति बैठक में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आप सभी की गरिमामयी उपस्थिति इस बैठक को ऊर्जा एवं दिशा प्रदान कर रही है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का इतिहास सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता का इतिहास रहा है। संगठन की शक्ति उसकी एकता और सेवा भावना में निहित है। इसी उद्देश्य से सम्मेलन ने विभिन्न सामाजिक विषयों पर कार्य करने हेतु अनेक उपसमितियों का गठन किया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सम्मेलन निरंतर कार्यरत है। समाजहित में मणिपाल हॉस्पिटल, एसवीएस मारवाड़ी हॉस्पिटल कोलकाता, मैक्स हॉस्पिटल, लीलावती हॉस्पिटल एवं फोर्टिस हॉस्पिटल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू किए गए हैं, जिससे समाज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी। शिक्षा, रोजगार, संस्कार एवं सामाजिक जागरण के क्षेत्र में भी सम्मेलन लगातार कार्य कर रहा है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित बिजनेस मीट एवं लाडनूं में आयोजित दो दिवसीय 'मंथन' कार्यक्रम सम्मेलन की सफल एवं दूरदर्शी पहल रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभा में उपस्थित सदस्यों को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन में उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों से सभा को विस्तृत अवगत कराया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने सम्मेलन की गत बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की एवं सम्मेलन की गतविधियों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की।

बैठक में विभिन्न उपसमितियों के पदाधिकारियों ने अपनी गतिविधियों की जानकारी दी। इनमें वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया ने सभी सदस्यों से सम्मेलन को विज्ञापन से सहयोग करने की बात कही। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, भवन उपसमिति के चेयरमैन एवं उच्च शिक्षा उपसमिति के संयोजक श्री संतोष सराफ ने भवन निर्माण की प्रगति एवं क्रियान्वयन एवं उच्च शिक्षा में अब तक के दिए गए योगदान एवं सभा से छात्रों के और अधिक आवेदन भेजने के लिए आग्रह किया। उन्होंने भवन निर्माण हेतु श्री नन्द लाल रुँगटा को धन्यवाद दिया जिनके अकेले योगदान से सम्मेलन का सपना अगले एक वर्ष में पूरा हो जाएगा। इसके अलावा भी राजनीतिक चेतना के संयोजक श्री अरुण प्रकाश मल्लावत, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं मायड़ भाषा के चेयरमैन श्री रतन साह, वैवाहिक परिकोष्ट के चेयरमैन श्री रामानंद रुस्तगी, सेमिनार उपसमिति के संयोजक श्री विष्णु अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं स्वास्थ्य उपसमिति के संयोजक श्री अनील मलावत, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री एवं आईटी एंड वेबसाईट के चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी आदि ने अपने–अपने विचार रखे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गिरधारी लाल गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री राज कुमार मिश्रा (ज़ूम), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री गोकुल चंद बजाज (ज़ूम), राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री द्वय श्री पवन कुमार जालान, श्री पवन कुमार बंसल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, श्री बसंत सुराणा (ज़ूम), डॉ. सांवर धनानिया, श्री अशोक पुरोहित, श्री बिश्वनाथ भुवालका, श्री दिनेश सराफ, श्री पियूष क्याल, श्री रमाकांत देवड़ा, श्री आदित्य कसेरा, श्री सांवर मल शर्मा, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री अमित डाबरीवाल, श्री गोपी धुवालिया, श्री अनिल कुमार डालमिया, श्री सुभाष चंद्र गोयनका, श्री बिनोद कुमार लिहला, श्री बाबू लाल बंका, श्री महेश पटवारी, श्री प्रकाश चंद्र हरलालका, श्री राज कुमार अग्रवाल, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री अमित कहली, श्री अमित मुंधड़ा, श्री संदीप सेक्सरिया, श्री इन्द्रचंद महरीवाल, श्री उत्तम कुमार गुप्ता, श्री शिव कुमार बागला, श्री विनय सराफ, श्री जगदीश प्रसाद सिंघी, श्री राजेश अग्रवाल, श्री मधुसूदन सफ्फड़, श्री महेश कुमार काबरा, श्री सुमित झुनझुनवाला, श्री अनिल जाजोदिया (ज़ूम), श्री सज्जन शर्मा (ज़ूम), श्री कमलेश नाहटा (ज़ूम) सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सम्मेलन की नवगठित अखिल भारतीय समिति

पदाधिकारीगण

श्री पवन कुमार गोयनका	राष्ट्रीय अध्यक्ष	दिल्ली
श्री शिव कुमार लोहिया	निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
श्री गिरधारी लाल गोयनका	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कोलकाता
डॉ. सुभाष अग्रवाल	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	कर्नाटक
श्री बिनोद तोदी	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	पटना
श्री राज कुमार मिश्रा	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	दिल्ली
श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	छत्तीसगढ़
श्री गोकुल चंद बजाज	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	गुजरात
श्री केदार नाथ गुप्ता	राष्ट्रीय महामंत्री	कोलकाता
श्री पवन कुमार जालान	राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री	कोलकाता
श्री पवन कुमार बंसल	राष्ट्रीय संयुक्तमंत्री	कोलकाता
श्री बसंत कुमार सुराना	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	गुवाहाटी
श्री अनिल कुमार मलावत	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	कोलकाता

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री सीताराम शर्मा	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
श्री नंदलाल रूँगटा	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	चाईबासा
डॉ. हरि प्रसाद कानोड़िया	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
पद्मश्री प्रहलाद राय अगरवाला	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
श्री संतोष सराफ	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	कोलकाता
श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष	रांची

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

श्री रतन लाल साह	पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री	कोलकाता
श्री संजय कुमार हरलालका	पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री	कोलकाता
श्री कैलाशपति तोदी	निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री	हावड़ा प.बं.

प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्री

श्री ओम प्रकाश अग्रवाल अध्यक्ष	आंध्र प्रदेश	श्री सीता राम अग्रवाल अध्यक्ष	कर्नाटक	श्री बद्री विशाल मुंदड़ा महामंत्री	तेलंगाना
श्री बालकिशन लोया महामंत्री	आंध्र प्रदेश	श्री शिव कुमार टेकरीवाल महामंत्री	कर्नाटक	डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल अध्यक्ष	उत्कल
श्री राकेश बंसल अध्यक्ष	बिहार	श्री शरद सरावगी अध्यक्ष	मध्य प्रदेश	श्री किशन लाल अग्रवाल महामंत्री	उत्कल
श्री अंजनी सुरेका महामंत्री	बिहार	श्री श्याम सुंदर माहेश्वरी महामंत्री	मध्य प्रदेश	श्री श्रीगोपाल तुलस्यान अध्यक्ष	उत्तर प्रदेश
श्री अमर बंसल अध्यक्ष	छत्तीसगढ़	श्री निकेश गुप्ता अध्यक्ष	महाराष्ट्र	श्री टिकम चंद सेठिया महामंत्री	उत्तर प्रदेश
श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल महामंत्री	छत्तीसगढ़	श्री सुदेश करवा महामंत्री	महाराष्ट्र	श्री रंजीत कुमार टिबड़ेवाल अध्यक्ष	उत्तराखंड
श्री राजेश कुमार सिंघल अध्यक्ष	दिल्ली	श्री कैलाश चंद कावरा अध्यक्ष	पूर्वोत्तर	श्री आशीष वेद प्रकाश गुप्ता महामंत्री	उत्तराखंड
श्री बसंत पोद्दार महामंत्री	दिल्ली	श्री रमेश चांडक महामंत्री	पूर्वोत्तर	श्री अक्षय अग्रवाल अध्यक्ष	केरल
श्री संजय अग्रवाल (डोकानिया) अध्यक्ष	गुजरात	श्री अशोक केडिया अध्यक्ष	तमिलनाड	श्री विनय सिंघल महामंत्री	केरल
श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल अध्यक्ष	झारखंड	श्री मोहनलाल बजाज महामंत्री	तमिलनाडु	श्री साजन कुमार अग्रवाल अध्यक्ष	सिक्किम
श्री विनोद कुमार जैन महामंत्री	झारखंड	श्री रामप्रकाश भंडारी अध्यक्ष	तेलंगाना	श्री धीरज बंसल महामंत्री	सिक्किम

निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष

श्री चांदमल अग्रवाल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	आंध्र प्रदेश	श्री गोविंद अग्रवाल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	उत्कल
श्री रमेश कुमार बंग निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	तेलंगाना	श्री संतोष खेतान निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	उत्तराखंड
श्री युगल किशोर अग्रवाल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	बिहार	श्री विजय कुमार गोयल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	तमिलनाडु
श्री बसंत कुमार मित्तल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	झारखंड	श्री रमाकांत सराफ निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	कर्नाटक
श्री विजय कुमार संकलेचा निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	मध्य प्रदेश	श्री श्याम सुंदर अग्रवाल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	केरल
श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	दिल्ली	श्री रमेश पेरीवाल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	सिक्किम
श्री नंदकिशोर अग्रवाल निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष	पश्चिम बंग		

बिहार

श्री अभिषेक कुमार जैन	भागलपुर	श्री जनार्दन प्रसाद भरतिया	सीतामढ़ी	श्री राजेश यादुका	सहरसा
श्री अभिषेक लोहिया	पटना	श्री कमल नोपानी	पटना	श्री राजीव कुमार केजरीवाल	मुजफ्फरपुर
श्री अजय कुमार पोद्दार	दरभंगा	श्री कृष्ण मुरारी टिबड़ेवाल	बेगूसराय	श्री रमेश चंद्र सोंथालिया	मधुबनी
श्री अजय कुमार टिबड़ेवाल	मधुबनी	श्री कृष्ण कुमार लखोटिया	समस्तीपुर	श्री रमेश सुरेका	पटना
श्री अमर कुमार दहलान	सहरसा	श्री महेश जालान	पटना	श्री रणदीप झुनझुनवाला	पटना
श्री अमित कुमार अग्रवाल	कटिहार	श्री मनीष कुमार चोखानी	सुपौल	श्री रवि कुमार गोयनका	बेतिया
श्री अशोक भिवानीवाला	भागलपुर	श्री मनीष कुमार सराफ	मधेपुरा	श्री ऋषभ दारुका	मधुबनी
श्री अशोक कुमार खेमका	भागलपुर	श्री मनोज झुनझुनवाला	पटना	श्री रितेश कुमार सिकारिया	सीतामढ़ी
श्री अशोक कुमार नेमानी	मुजफ्फरपुर	श्री मातादीन अग्रवाल	आरा	डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल	मुजफ्फरपुर
श्री अशोक कुमार तुलस्यान	मुंगेर	श्री मुकेश कुमार जैन	बेगूसराय	श्री सदानंद अग्रवाल	पटना
श्री अशोक सोनी	सीतामढ़ी	श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला	पटना	श्री संदीप अग्रवाल	मुजफ्फरपुर
श्री बच्छराज राखेचा	अररिया	श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल	पटना	श्री श्रवण कुमार सराफ	मुजफ्फरपुर
श्री भुवन प्रकाश अग्रवाल	कटिहार	श्री पंकज कुमार गोयनका	सीतामढ़ी	श्री शशि गोयल	पटना
श्री बिष्णु कुमार अग्रवाल	सुपौल	श्री पंकज मानसिंहका	बक्सर	श्री श्याम सुंदर टिबड़ेवाल	मुजफ्फरपुर
श्री दीपक मस्कारा	सीतामढ़ी	श्री पवन कुमार बंका	मुजफ्फरपुर	श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल	अररिया
श्री दिलीप कुमार मित्तल	पटना	श्री पवन कुमार सुरेका	दरभंगा	श्री सुजीत कुमार बजाज	खगड़िया
श्री गणेश कुमार खेमका	पटना	श्री प्रभात कुमार केजरीवाल	भागलपुर	श्रीमती सुषमा अग्रवाल	पटना
श्री गिरधर झुनझुनवाला	पटना	श्री प्रकाश कुमार केजरीवाल	मधुबनी	श्री विकाश कुमार चाँद	समस्तीपुर
श्री गिरधारी लाल सराफ	पटना सिटी	प्रो. पवन कुमार पोद्दार	भागलपुर	श्री विनोद केजरीवाल	नवगछिया, भागलपुर
श्री गौरी शंकर कानोड़िया	समस्तीपुर	श्री राजेश कुमार सुंदरका	सीतामढ़ी	श्री विष्णु कुमार सुरेका	पटना
श्री हरि कृष्ण अग्रवाल	पटना	श्री राजेश सिकारिया	पटना	श्री योगेश तुलस्यान	पटना
				श्री युगल किशोर अग्रवाल	सुपौल

झारखंड

श्री कमल कुमार केडिया (रांची)
श्री विश्वनाथ नरसरिया (रांची)
श्री अजय भरतिया (धनबाद)
श्री अजय सरावगी (खूंटी)
श्री आकाश शाह (जमशेदपुर)
श्री अनिल अग्रवाल (रांची)
श्री अनिल कुमार अग्रवाल (रांची)
श्री अंकुश जवानपुरिया (जमशेदपुर)
श्री अरविंद कुमार अग्रवाल (हजारीबाग)
श्री अशोक कुमार डालमिया (देवघर)
श्री अशोक कुमार सराफ (देवघर)
श्री अशोक कुमार विजयवर्गीय (पश्चिमी सिंहभूम)
श्री बिनोद कुमार गर्ग (बोकारो)
श्री चेतन प्रकाश गोयनका (धनबाद)
श्री दीपक लाडिया (धनबाद)
श्री दीपक भालोटिया (जमशेदपुर)
श्री कौशल कुमार राजगढ़िया (रांची)
श्री कृष्ण कुमार चांडक (बोकारो)
श्री मनोज कुमार चेतानी (जमशेदपुर)
श्री निर्मल झुनझुनवाला (गिरिडीह)
श्री निर्मल कुमार बुधिया (रांची)
श्री पवन कुमार जैन (सिमडेगा)
श्री पवन कुमार पोद्दार (रांची)
श्री पवन कुमार शर्मा (रांची)
श्री प्रभा देवी मोदी (जामताड़ा)
श्री प्रदीप मिश्रा (जमशेदपुर)
श्री प्रदीप चौधरी (हजारीबाग)
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल (गिरिडीह)
श्री प्रेम कुमार मोर (बोकारो)
श्री प्रीतम कुमार गड़िया (गोड्डा)
श्री पुरुषोत्तम शर्मा (पश्चिमी सिंहभूम)
श्री आर.बी. गोयल (धनबाद)
श्री राज कुमार शर्मा (देवघर)
श्री राजेश कुमार लोढ़ा (पूर्वी सिंहभूम)
श्री राकेश मोदी (गिरिडीह)
श्री राम रतन महर्षि (कोडरमा)
श्री रमेश खिरवाल (पश्चिमी सिंहभूम)
श्री सज्जन कुमार पड़िया (रांची)
श्री संजीव विजयवर्गीय (रांची)
श्री सांवर लाल शर्मा (जमशेदपुर)
श्री सत्यनारायण अग्रवाल (जमशेदपुर)
श्री श्रवण अग्रवाल (गोड्डा)
श्री शंकर लाल अग्रवाल (रामगढ़)
श्री श्रवण कुमार केडिया (गिरिडीह)
श्री सुभाष पटवारी (रांची)
श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल (धनबाद)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (पोद्दार) (धनबाद)
श्री विकास अग्रवाल (बोकारो)
श्री विमल अग्रवाल (जमशेदपुर)
श्री वीरेंद्र कुमार मूनका (जमशेदपुर)
श्री विवेक अग्रवाल (धनबाद)
श्री योगेंद्र कुमार तुलस्यान (धनबाद)

पूर्वोत्तर

श्री अजीत कुमार जैन (करीमगंज)
श्री अजीत कुमार शर्मा (गुवाहाटी)
श्री अनिल कुमार जैन (धेमाजी)
श्री अनिल सुराणा (बोन्गाईगाँव)
श्री अनूप चंद सेठिया (धुबरी)
श्री अनुप सिंह राजपुरोहित (शिवसागर)
श्री बिरेन कुमार अगरवाला (शिवसागर)
श्री छत्तर सिंह गिरिया (लखीमपुर)
श्री छत्तर सिंह पवार (सोनितपुर)
श्री धनराज सुराणा (कछार)
श्री दिनेश भिलवारिया (गोलाघाट)
श्री दिनेश गुप्ता (गुवाहाटी)
श्री दिनेश कुमार गोयल (तिनसुकिया)
श्री दुर्गा दत्त राठी (धेमाजी)
श्री हेमंत कुमार जितानी (तिनसुकिया)
श्री जयंत कुमार हरलालका (गोलाघाट)
श्री कमल अग्रवाल (शिलांग)
श्री कौशल गिनोरिया (गोलाघाट)
श्री किशन लाल नहाटा (कोकराझार)
श्री कृष्ण कुमार जालान (गुवाहाटी)
श्री ललित कुमार कोठारी (नगाँव)
डॉ. महेश कुमार जैन (डिब्रूगढ़)
श्री माखन लाल गट्टानी (जोरहाट)
श्री मानक चंद नहाटा (नगाँव)
श्री माणिक लाल दमानी (लखीमपुर)
श्री मनोज कुमार जैन (कला) (गुवाहाटी)
श्री मूलचंद बैद (कछार)
श्री निरंजन सिकारिया (गुवाहाटी)
श्री ओम प्रकाश पाचार (पापुम पारे)
श्री ओमप्रकाश राठी (जोरहाट)
श्री पवन जैन (धेमाजी)
श्री पवन कुमार मोर (मोरानहाट)
श्री प्रदीप भुवालका (गुवाहाटी)
श्री प्रकाश कुमार बैद (तिनसुकिया)
श्री राज कुमार सराफ (लखीमपुर)
श्री राजेंद्र कुमार हरलालका (बोन्गाईगाँव)
श्री रूपचंद करनानी (शिवसागर)
श्री संजय गिरिया (बरपेटा)
श्री संजय कुमार गाड़ोदिया (नगाँव)
श्रीमती संतोष शर्मा (गुवाहाटी)
श्रीमती सरला काबरा (गुवाहाटी)
श्री सत्यनारायण चांडक (कोकराझार)
श्री शंकर बिड़ला (गुवाहाटी)
श्रीमती स्मिता धीरासरिया (बरपेटा)
श्री श्रीधर शर्मा (बरपेटा)
श्री सुशील कुमार गोलछा (सोनितपुर)
श्री सुशील कुमार गोयल (गुवाहाटी)
श्री विकाश कुमार अग्रवाल (नगाँव)
श्री विमल अग्रवाल (डिब्रूगढ़)
श्री विनोद कुमार लोहिया (गुवाहाटी)

उत्कल

श्री अमरदीप अग्रवाल (पदमपुर)
श्री अनिल कुमार अग्रवाल (झारसुगुड़ा)
श्री अशोक कुमार बंसल (बलांगीर)
श्री बिजय कुमार अग्रवाल (रूपरारोड)
श्री बिजय कुमार केडिया (संबलपुर)
श्री बिष्णु प्रसाद केडिया (बलांगीर)
श्री चंद्र कुमार अग्रवाल (सोहेला)
श्री धर्मेंद्र प्रसाद मोर (बालासोर)
श्री दीनदयाल जैन (नबरंगपुर)
श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (नुआपाड़ा)
श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री गोपाल कुमार मित्तल (जूनागढ़)
श्री जय भगवान जैन (कालाहांडी)
श्री जय दयाल अग्रवाल (संबलपुर)
श्री कमल कुमार पंसारी (संबलपुर)
श्री किशन लाल अग्रवाल (बरगढ़)
श्री किशोर अग्रवाल (बरगढ़)
श्री ललित कुमार अग्रवाल (बलांगीर)
श्री महेंद्र कुमार केडिया (सीए) (झारसुगुड़ा)
श्री मंगतू राम अग्रवाल (संबलपुर)
श्री मनोज दुगर (कटक)
श्री मुकेश अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री नरेश अग्रवाल (नुआपाड़ा)
श्री पवन कुमार अग्रवाल (बलांगीर)
श्री पवन कुमार सुल्तानिया (झारसुगुड़ा)
श्री प्रकाश चंद्र जैन (झारसुगुड़ा)
श्री प्रकाश कुमार गोयल (बलांगीर)
श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल (अनुगुल)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री राजेश कुमार अग्रवाल (टिटलागढ़)
श्री राम कुमार बंसल (रायगडा)
श्री रमेश कुमार जैन (कालाहांडी)
श्रीमती रोनक मरोड़िया (बलांगीर)
श्री संतोष अग्रवाल (भुवनेश्वर)
श्री संतोष कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्रीमती सरिता अग्रवाल (संबलपुर)
श्री सतीश अजमेरा (राउरकेला)
श्री शंकर कुमार अग्रवाल (जयपटना, कालाहांडी)
श्री श्याम सुंदर अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री सिसराम अग्रवाल (संबलपुर)
श्री श्रवण कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री सुभाष केडिया (कटक)
श्री सुनील गोयल (पाटनगढ़)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (नुआपाड़ा)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (बरगढ़)
श्री विकाश सुल्तानिया (झारसुगुड़ा)
श्री विश्वनाथ अग्रवाल (झारसुगुड़ा)
श्री मुकेश कुमार अग्रवाल (कालाहांडी)
श्री बिमल कुमार केडिया (कालाहांडी)

दिल्ली

श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया (दिल्ली)
श्री मधुसूदन मटोलिया (फरीदाबाद)
श्री मन्नालाल बैद (दिल्ली)
श्री ओम प्रकाश सोमानी (दिल्ली)
श्री पवन कुमार शर्मा (दिल्ली)
श्री राधे श्याम बंसल (दिल्ली)
श्री राजेश गुप्ता (नई दिल्ली)
श्री राजेश सोनी (दिल्ली)
श्री रमेश कुमार बजाज (दिल्ली)
डॉ. रिंकी केसल (दिल्ली)
श्री सज्जन शर्मा (दिल्ली)
श्री संजीव केडिया (दिल्ली)
श्री सुंदर लाल शर्मा (दिल्ली)
श्री सुरेश अग्रवाल (दिल्ली)
श्री सूर्य प्रकाश लाहोटी (दिल्ली)
श्री विनोद किल्ला (दिल्ली)

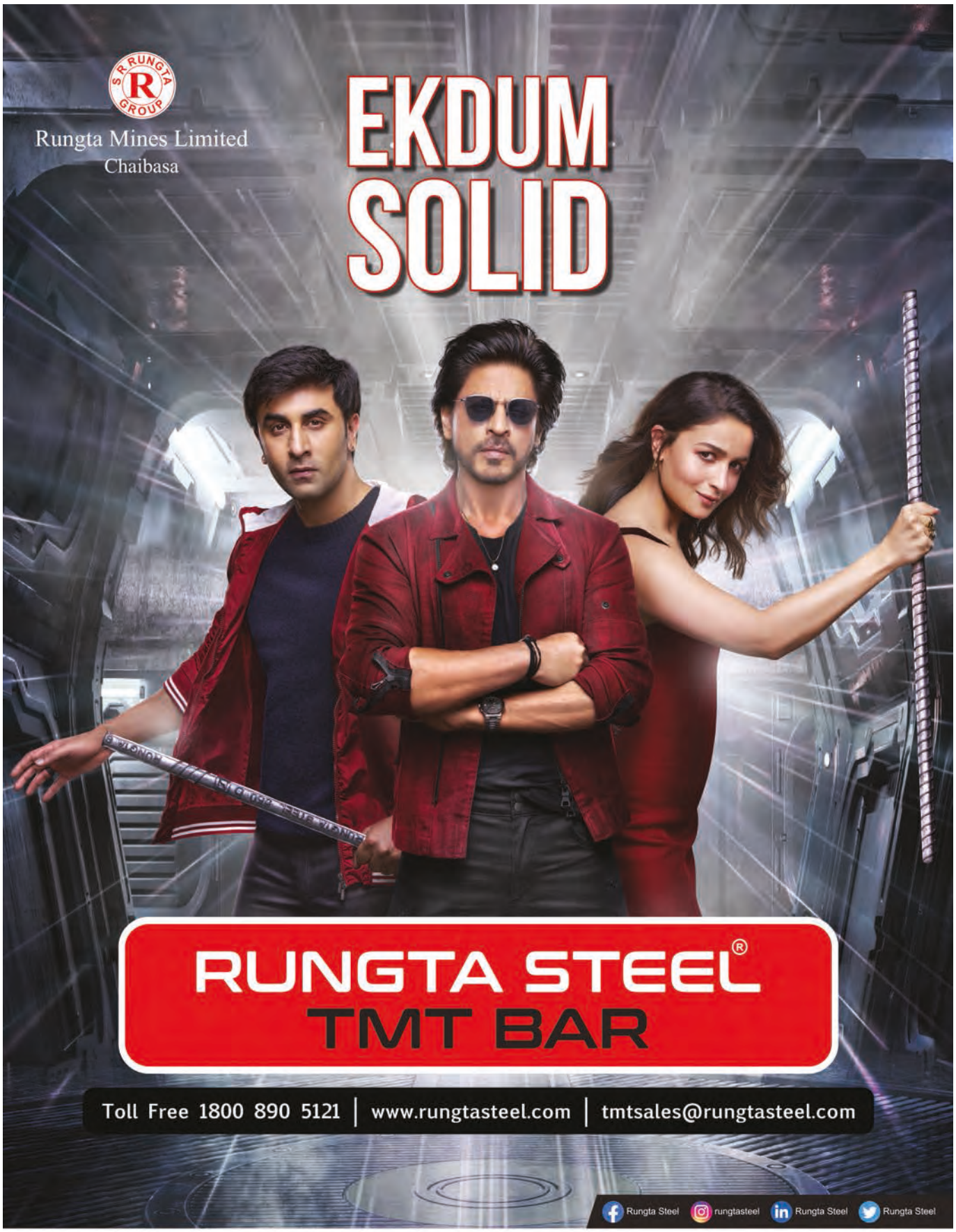

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES

Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

कर्नाटक

श्रीमती चंदा अग्रवाल (नागवारा)
श्री दीपक कुमार जैन (बैंगलोर)
श्रीमती हेमलता सांवरिया (बैंगलोर)
श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल (बैंगलोर)
श्री महेश अग्रवाल (बैंगलोर)
श्री मनोष कुमार (बैंगलोर)
श्री शिव रतन अग्रवाल (बैंगलोर)
श्री स्नेह कुमार जाजू (बैंगलोर)

उत्तर प्रदेश

श्री आनंद कुमार लाडिया (वाराणसी)
श्री दीपक अग्रवाल (वाराणसी)
श्री गोकुल शर्मा (वाराणसी)
श्री केवल कृष्ण मित्तल संत (रविदास नगर)
श्री मनोज अग्रवाल (कानपुर)
श्री ओम प्रकाश अग्रवाल (किदवई नगर, कानपुर)
श्री प्रदीप कडिया (कानपुर)
श्री उमाशंकर अग्रवाल (वाराणसी)

छत्तीसगढ़

श्री बृजेश अग्रवाल (जांजगीर-चांपा)
श्री हरिओम अग्रवाल (शक्ति)
श्री कैलाश चंद्र छपरिया (रायगढ़)
श्री पीतांबर अग्रवाल (जांजगीर-चांपा)
श्री प्रहलाद राय चौबे (रायपुर)
श्री संजय शर्मा (रायपुर)
श्री सुनील कुमार लाठ (रायपुर)
श्री सुरेश कुमार चौधरी (रायपुर)

गुजरात

श्री भवानी शंकर जालान (सूरत)
श्री गणपत भंसाली (सूरत)
श्री हेमंत गर्ग (सूरत)
श्री कुलदीप कुमार सांध्य (सूरत)
श्री रमेश कुमार मोदी (सूरत)
श्री श्रीराम बिदावतका (सूरत)
श्री सुरेंद्र कुमार अग्रवाल (सूरत)
श्री योगेश रामसीसरिया (सूरत)

उत्तराखंड

श्री अजय शर्मा (हरिद्वार)
श्री महेश बुबना (हरिद्वार)
श्री मनोज कुमार गोयल (हरिद्वार)
श्री राहुल खेतान (रुड़की)
श्री राहुल शर्मा (हरिद्वार)
श्री राम केजरीवाल (हरिद्वार)
श्री संजय जाजोदिया (हरिद्वार)
श्री संतोष खेतान (हरिद्वार)

तेलंगाना

श्री अनिल कुमार अग्रवाल (हैदराबाद)
श्री अनुप कुमार चांडक (हैदराबाद)
श्री बृज गोपाल भूताड़ा (हैदराबाद)
श्री दीपक कुमार भाटी (हैदराबाद)
श्री दिनेश कुमार बंग (हैदराबाद)
श्री कैलाश मंत्री (हैदराबाद)
श्री लक्ष्मीनारायण राठी (हैदराबाद)
श्री रूपेश सोनी (हैदराबाद)

मध्य प्रदेश

श्री अजय सरावगी हीरा गंज, (कटनी)
श्री बनवारी लाल जाजोदिया (इंदौर)
श्री कैलाश अग्रवाल (जबलपुर)
श्री कृष्ण कुमार शर्मा (कटनी)
श्रीमती मधु काशीरामका (सतना)
श्री मुरली अग्रवाल (जबलपुर)
श्री शीतल पोद्दार (शहडोल)
श्री रंजन अग्रवाल (इंदौर)

आंध्र प्रदेश

श्री बिजेंदर कुमार गुप्ता (विशाखापत्तनम)
श्री चांदमल अग्रवाल (विशाखापत्तनम)
श्री पांडेश्वर पुरोहित (विशाखापत्तनम)
श्री पुलकित अग्रवाल (श्रीकाकुलम)
श्री रमेश चंद्र मित्तल (कृष्णा)
श्री संजय अग्रवाल (श्रीकाकुलम)
श्री सुभाष चंद्र गुप्ता (कृष्णा)
श्री सुरेश कुमार जैन (विजयवाड़ा)

महाराष्ट्र

श्री दामोदर किशनगोपाल लखानी (बुलढाणा)
श्री गोविंद लक्ष्मीनारायण पारिख (लातूर)
श्री गोविंद प्रसाद मुंधड़ा (जालना)
श्री जयप्रकाश मुंदड़ा (हिंगोली)
श्री रमेश चंद्र गोपीकिशन बंग (नागपुर)
श्री सिद्धार्थ रुहाटिया (अकोला)
श्री सुभाष वल्लभदास गांधी (अमरावती)
श्री वीरेंद्र प्रकाश धोका (जालना)

केरल

श्री अरविंद सिंघल (एर्नाकुलम)
श्री हरि सिंह वर्मा (एर्नाकुलम)
श्री कुलदीप बेद (एर्नाकुलम)
श्री लाजपत राय कचोलिया (एर्नाकुलम)
श्री मोहनलाल सुदा (एर्नाकुलम)
श्री रतनलाल जैन (बाफना) (कोच्चि)
श्री संजीव कुमार मित्तल (एर्नाकुलम)
श्री शिव कुमार अग्रवाल (एर्नाकुलम)

सिक्किम

श्री केशु कुमार अग्रवाल (गंगटोक)
श्री महेश अग्रवाल (गंगटोक)
श्री ओम प्रकाश थिरानी (गंगटोक)
श्री पवन कुमार मित्तल (गंगटोक)
श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल (गंगटोक)
श्री रमेश कुमार पेरीवाल (गंगटोक)
श्री सत भगवान अग्रवाल (गंगटोक)
श्री सुमित अग्रवाल (गंगटोक)

तमिलनाडु

श्री अजय कुमार नाहर किलपौक, (चेन्नई)
श्री अनुराग माहेश्वरी (चेन्नई)
श्री अशोक कुमार लखोटिया (चेन्नई)
श्री गोविंद प्रसाद (चेन्नई)
श्री हितेश कानोडिया (चेन्नई)
श्री कृष्ण कुमार नाथानी सोकारपेट, (चेन्नई)
श्री राम अवतार स्वांटा (चेन्नई)
श्री संजीव अग्रवाल (तिरुवल्लूर)

पश्चिम बंग

श्री बसुदेव अग्रवाल (कोलकाता)
श्री बृज मोहन गाडोदिया (कोलकाता)
श्री विश्वनाथ खराकिया (कोलकाता)
श्री रवि शंकर सिकरिया (कोलकाता)
श्री अजीत कुमार साहेवाल (कोलकाता)
श्री अरुण प्रकाश मल्लावत (कोलकाता)
श्री अशोक कुमार पारख (कोलकाता)
श्री अशोक पुरोहित (हुगली)
श्री विष्णु पोद्दार (हावड़ा)
श्री चेतन मुरारका (हावड़ा)
श्री दीपक बुचासिया (कोलकाता)
श्री दीपक कुमार जालान (कोलकाता)
श्री गिरधारीलाल खेमानी (कोलकाता)
श्री गोपीराम धुवालिया (कोलकाता)
श्री जयगोविंद इंदोरिया (कोलकाता)
श्री लक्ष्मण अग्रवाल (कोलकाता)
श्री मनोज चांदगोठिया (कोलकाता)
श्री मनोज कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री निर्मल सराफ (कोलकाता)
श्री नितिन अग्रवाल (कोलकाता)
श्री ओमप्रकाश अग्रवाल (कोलकाता)
श्री प्रदीप कुमार जालान (कोलकाता)
श्री प्रदीप कुमार बंसल (कोलकाता)
श्री राजेश कुमार पोद्दार (कोलकाता)
श्री राजीव कुमार अग्रवाल (बिलोटिया) (कोलकाता)
श्री सज्जन बैरीवाल (कोलकाता)
श्री संदीप अग्रवाल (कोलकाता)
श्री संदीप सेक्सारिया (कोलकाता)
श्री संजय अग्रवाल (कोलकाता)
श्री संजय कुमार चिरानिया (कोलकाता)
श्री संजय शर्मा (कोलकाता)
श्री शंकरलाल चामड़िया (कोलकाता)
श्री शंकरलाल हरलालका (कोलकाता)
श्री सुभाष चंद्र गोयनका (कोलकाता)
श्री सुभाष मुरारका (कोलकाता)
श्री ताराचंद पटोदिया (कोलकाता)
श्री उत्तम कुमार गुप्ता (कोलकाता)
श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल (रिसड़ा)
श्री नरेंद्र कुमार शर्मा (बाँकुड़ा)
श्री रामलाल तांतिया (पुरुलिया)
श्री ओमप्रकाश बजोरिया (रानीगंज)
श्री राजेश खेतान (कोलकाता)
श्री नारायण सिकरिया (दुर्गापुर)
श्री नरेश कुमार अग्रवाल (आसनसोल)
डॉ. आर. के. अग्रवाल (सिलीगुड़ी)
श्री बृज मोहन गर्ग (दार्जिलिंग)
श्री राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (कर्सियांग)
श्री मुरारीलाल अग्रवाला (अलीपुरद्वार)
श्री शुभकरण सांड़ (रायगंज)
श्री जगदीश प्रसाद झावर (बर्दवान)
श्री हनुमान कल्याणी (मयनागुड़ी)
श्री प्रदीप कुमार सितानी (जलपाईगुड़ी)
श्री प्रबीन कुमार बंथिया (मालदा)

४१ राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा मनोनीत

श्री अनिल कुमार जाजोदिया (वाराणसी)
श्री अरुण कुमार अग्रवाल (गुवाहाटी)
श्री अरुण चूड़ीवाल (कोलकाता)
श्री आत्माराम क्याल (कोलकाता)
श्री आत्माराम सोनथालिया (कोलकाता)
श्री चंडी प्रसाद बंसल (साल्टलेक, कोलकाता)
श्री चंडी प्रसाद डालमिया (रांची)
डॉ. श्याम सुंदर हरलालका (गुवाहाटी)
श्री गजेन्द्र कुमार अग्रवाल (बेंगलुरु)
श्री इंद्रचंद मेहरीवाल (हावड़ा)
श्री जगदीश गोलपुरिया (बरगढ़)
श्री कमलेश कुमार नाहटा (जबलपुर)
श्री मधुसूदन सफ्फर (कोलकाता)
श्री मनीष कुमार जैन (कोलकाता)
श्री नंदलाल सिंघानिया (कोलकाता)
श्री नरेंद्र कुमार तुलस्यान (कोलकाता)
श्री निर्मल कुमार काबरा (जमशेदपुर)
श्री ओम प्रकाश प्रणव (रांची)
श्री पवन कुमार सर्राफ (भागलपुर)
श्री राधाकिशन सफ्फर (कोलकाता)
श्री राज कुमार तिवारी (गुवाहाटी)
श्री रमेश कुमार बुबना (कोलकाता)
श्री रंजीत डालमिया (देवघर)
श्री रतनलाल बांका (झारखंड)
श्री रवि लोहिया (कोलकाता)
श्री संजय भारतिया (धनबाद)
श्री सतीश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री सुदेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री सुनील गुप्ता (अमृतसर)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (कोलकाता)
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (बिलासपुर)
श्री सुशील कुमार चौधरी (कोलकाता)
श्री सुशील पोद्दार (कोलकाता)
श्री विनय कुमार सराफ (कोलकाता)

राजस्थान के सभी सरकारी-निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा होगी अनिवार्य

सुप्रीम कोर्ट का राज्य सरकार को निर्देश

राजस्थान में शिक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश दिया है। अदालत ने राज्य सरकार से कहा है कि सभी सरकारी और निजी स्कूलों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं और इस पर तय समय में रिपोर्ट भी पेश की जाए। अदालत ने इस संबंध में ३० सितंबर तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी है।

तीन जजों की पीठ का आदेश

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और विजय विश्नोई की पीठ ने कहा कि राजस्थान सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे ताकि राजस्थानी भाषा स्कूलों में उपलब्ध कराई जा सके। पीठ ने कहा कि मातृभाषा आधारित शिक्षा को लेकर संविधान के प्रावधानों और नेशनल एजुकेशन २०२० के संदर्भ में राजस्थान सरकार को एक व्यापक और प्रभावी नीति बनानी चाहिए।

याचिका में उठे अहम सवालः अदालत ने माना कि राजस्थानी भाषा बोलने वाले लाखों बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा पाने का अवसर मिलना चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया था कि राजस्थानी भाषा को शिक्षक भर्ती परीक्षा और शिक्षा व्यवस्था में पर्याप्त स्थान नहीं दिया जा रहा है, जबकि यह राज्य में करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाती है।

बच्चों के विकास के लिए मातृभाषा जरूरीः सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में मातृभाषा में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा उनकी स्थानीय या मातृभाषा में होना उनके बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास के लिए जरूरी है।

कोर्ट की चिंताः शिक्षा में 'शून्य' की स्थितिः सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राजस्थानी भाषा को स्कूल शिक्षा में संरचित तरीके से शामिल न करना एक 'शून्य' की स्थिति पैदा करता है, जो संवैधानिक महत्व के क्षेत्र में चिंता का विषय है। अदालत ने जोर देते हुए कहा कि शुरुआती शिक्षा मातृभाषा में मिलने से बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता बेहतर होती है।

राज्य के तर्क पर आपत्ति, आठवीं अनुसूची का मुद्दा

राज्य सरकार की उस दलील पर भी अदालत ने कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया था कि केवल संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं को ही स्कूल शिक्षा में स्थान दिया जा सकता है। कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि यह दृष्टिकोण व्यवहारिक नहीं है और राजस्थानी भाषा की मौजूदा शैक्षणिक उपस्थिति को नजरअंदाज करता है।

विश्वविद्यालयों में पहले से मौजूद है राजस्थानीः अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थानी भाषा पहले से ही राज्य के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही है, जैसे जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय और राजस्थान विश्वविद्यालय। इससे यह स्पष्ट होता है कि भाषा को अकादमिक स्तर पर पहले से ही मान्यता प्राप्त है।

समाचार सार

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल सम्मानित

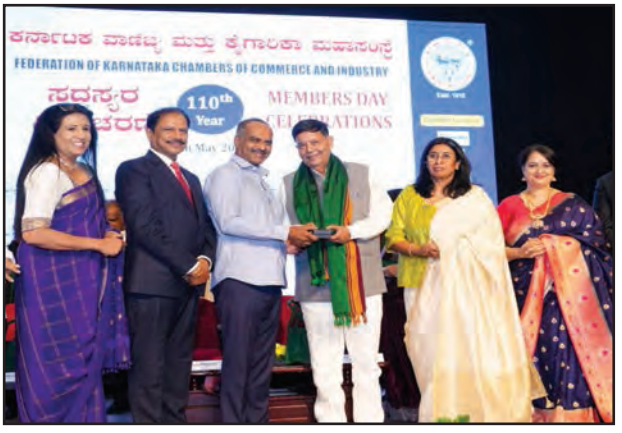

फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FKCCI) के ११० वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित 'मेंबर्स डे' के दौरान एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में बेंगलुरु मध्य के माननीय सांसद श्री पी.सी. मोहन द्वारा वरिष्ठ उद्योगपति और समाजसेवी एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल को उनकी उत्कृष्ट और दीर्घकालिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह के मंच पर उद्योग जगत से लेकर कला जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. सुभाष अग्रवाल को सम्मान सौंपे जाने के गौरवपूर्ण क्षण के दौरान मंच पर (बाएं से दाएं) मेंबरशिप कमेटी की चेयरमैन श्रीमती उदया रेड्डी, FKCCI के उपाध्यक्ष श्री साईराम प्रसाद, सांसद पी.सी. मोहन, स्वयं सम्मानित अतिथि डॉ. सुभाष अग्रवाल (पूर्व चेयरमैन, FKCCI), FKCCI की अध्यक्ष (President) श्रीमती उमा रेड्डी और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री हेमा प्रभात मौजूद रहीं। सभी गणमान्य नागरिकों ने डॉ. अग्रवाल के निस्वार्थ योगदान और संगठन के प्रति उनके समर्पण की सराहना की।

राजस्थानी भाषा और राजस्थान को मिला न्याय : ऐतिहासिक निर्णय

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करता है और देश की न्यायिक व्यवस्था उन अधिकारों की रक्षा का सर्वोच्च माध्यम है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय केवल न्याय देने वाली संस्था ही नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की मर्यादा का भी संरक्षक है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा को लेकर दिया गया निर्णय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक है, बल्कि राजस्थानी भाषा व संस्कृति के संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। लंबे समय से राजस्थानी भाषा प्रेमी यह मांग कर रहे थे कि राजस्थान के बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा दी जाए तथा राजस्थानी भाषा को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। इस मांग के समर्थन में सामाजिक, सांस्कृतिक और कानूनी स्तर पर निरंतर संघर्ष किया गया। अंततः यह संघर्ष सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और न्यायालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की भावना के अनुरूप मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा देने को अनिवार्य मानते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार है और इस अधिकार की उपेक्षा नहीं की जा सकती। यदि कोई बच्चा अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करता है, तो उसका मानसिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास अधिक प्रभावी ढंग से होता है। न्यायालय ने यह भी माना कि बच्चों को उनकी समझ की भाषा में शिक्षा देना केवल एक शैक्षणिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी है कि प्राथमिक स्तर तक शिक्षा मातृभाषा अथवा स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए। इसके बावजूद राजस्थान सरकार अब तक यह तर्क देती रही कि राजस्थानी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं है, इसलिए उसे विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करना आवश्यक नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि केवल आठवीं अनुसूची का हवाला देकर किसी भाषा को शिक्षा व्यवस्था से दूर नहीं रखा जा सकता। यदि किसी भाषा का व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक आधार है तथा वह लाखों लोगों की मातृभाषा है, तो उसे शिक्षा में उचित स्थान मिलना चाहिए। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह राजस्थानी भाषा को विद्यालयी पाठ्यक्रम में शामिल करने की दिशा में ठोस कदम उठाए और निर्धारित समय सीमा में अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करे। राजस्थान सरकार के लिए यह कार्य कठिन नहीं है, क्योंकि राजस्थानी भाषा पहले से विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाई जा रही है।

राजस्थानी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं, इतिहास और सामाजिक चेतना की वाहक भी है। शिक्षाविदों का भी मानना है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने से बच्चों की समझने की क्षमता बढ़ती है। वे कठिन विषयों को सरलता से ग्रहण कर पाते हैं और शिक्षा उनके लिए बोझ नहीं बनती।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय केवल राजस्थानी भाषा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सभी मातृभाषाओं और लोकभाषाओं के सम्मान का प्रतीक है। भारत विविध भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। यहाँ की प्रत्येक भाषा अपने भीतर एक इतिहास, संस्कृति और जीवन दृष्टि समेटे हुए है। यदि इन भाषाओं को शिक्षा और प्रशासन में उचित स्थान नहीं मिलेगा, तो हमारी सांस्कृतिक विविधता कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह निर्णय भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाएगा। राजस्थानी भाषा को विद्यालयी शिक्षा में शामिल करने की मांग करोड़ों राजस्थानी वर्षों से करते आ रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने उन सभी लोगों की आशाओं को नया बल दिया है, जो लंबे समय से राजस्थानी को उसका उचित सम्मान दिलाने के लिए प्रयासरत थे। अब आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकार इस निर्णय को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखे, बल्कि गंभीरता के साथ लागू करे। सरकारी और निजी दोनों प्रकार के विद्यालयों में राजस्थानी भाषा को एक विषय के रूप में प्रारंभ किया जाए। प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति हो, गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार की जाएँ और बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का वास्तविक अवसर मिले।

निस्संदेह, सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय राजस्थान की भाषा, संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे न केवल बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर से भी जुड़ी रहेंगी। यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र की उस संवेदनशीलता का उदाहरण है, जिसमें न्याय केवल कानून की व्याख्या तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज की वास्तविक आवश्यकताओं और सांस्कृतिक अधिकारों की भी रक्षा करता है।

– राजेन्द्र जोशी
शिक्षाविद-साहित्यकार
लेखक हिंदी-राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का सम्मान

राजस्थान फाउंडेशन, असम (नॉर्थ-ईस्ट) चैप्टर द्वारा ११ मई २०२६ को गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रतन शर्मा ने की, जिसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री का झापी, फुलाम गामोछा, दुशाला एवं राजस्थानी केसरिया दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया गया।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने स्वागत उद्‌बोधन देते हुए मुख्यमंत्री के गुवाहाटी आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की। अध्यक्षीय संबोधन में श्री रतन शर्मा ने कहा कि राजस्थानी समाज लंबे समय से मुख्यमंत्री के स्वागत की प्रतीक्षा कर रहा था।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान एवं असम के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की सराहना करते हुए पूर्वोत्तर में बसे राजस्थानी समाज के राष्ट्र निर्माण में योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने राजस्थान में जल, सड़क, बिजली, सौर ऊर्जा एवं सिंचाई परियोजनाओं सहित औद्योगिक निवेश की जानकारी दी तथा प्रवासी राजस्थानी समाज से राजस्थान में निवेश बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों में प्रदेश अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री विनोद कुमार लोहिया, श्री मूलचंद बैद, प्रांतीय सलाहकार श्री बुधमल बैद, प्रांतीय संयोजक श्री प्रदीप भुवालका, श्री बजरंग सुराणा, श्रीमती संतोष शर्मा, श्री विवेक सांगानेरिया तथा श्री सूरज सिंघानिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का स्वागत, अभिनंदन एवं सम्मान किया।

बालिका छात्रावास के निर्माण का शुभारंभ

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर कुमारपाड़ा स्थित रूपनगर (कुमार नर्सिंग होम के पीछे) में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा दिनांक २० अप्रैल २०२६ को प्रस्तावित बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य का विधि-विधान के साथ शुभारंभ किया गया। भूमि-पूजन कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सरिता लोहिया के साथ प्रथम पूज्य भगवान गणेश, वरुण देवता, नवग्रह एवं षोडश मातृका का पूजन कर कार्यारंभ किया। पूजन विधि पं. पवन शास्त्री एवं पं. नंदलाल शर्मा द्वारा संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर सम्मेलन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर हरलालका, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज जैन काला, प्रांतीय सलाहकार श्री सांवरमल खेतावत, श्री रमेश अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रांतीय उपाध्यक्ष की गोलाघाट में बैठक

मारवाड़ी सम्मेलन, गोलाघाट शाखा के साथ प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया ने दिनांक: १५ अप्रैल २०२६ को संगठनात्मक बैठक की। इस बैठक में गोलाघाट शाखा के अध्यक्ष श्री देवीदत्त मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष श्री अजय (सुजीत) कनोई, सचिव श्री रवि शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य श्री जुगल पृथानी, श्री छगन चांडक तथा सांस्कृतिक सचिव श्री अरुण काबरा उपस्थित रहे।

इस बैठक के दौरान संगठन एवं समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री लोहिया ने आगामी १६-१७ मई २०२६ को मोरान में आयोजित होने वाली प्रांतीय कार्यकारिणी समिति एवं प्रांतीय सभा की बैठक में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इससे पहले श्री लोहिया एवं गोलाघाट शाखा के पदाधिकारी शाखा सदस्य श्री मनीष अग्रवाल के निवास पर जाकर उनके पिताजी के देहावसान पर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

सच्चा सद्‌गुरु

एक साधु भिक्षा लेने एक घर में गये। उस घर में माई भोजन बना रही थी और पास में बैठी उसकी लगभग ८ वर्ष की पुत्री रो रही थी।

साधु बोले - "हे माता! यह बच्ची क्यों रो रही है?"

माँ बोली - "महाराज! आज रक्षाबंधन है। मुझे कोई पुत्र नहीं है। मेरी बिटिया मुझसे पूछ रही है कि 'मैं किसके हाथ पर राखी बांधूं?'

"समझ में नहीं आता कि मैं क्या उत्तर दूँ, इसके पिताजी भी नहीं हैं।"

कुछ क्षण के लिए वह चुप हो गए फिर साधु बोले - "क्या मैं इस बच्ची का भाई बन सकता हूँ?"

बालिका की तरफ हाथ बढ़ाया और बोले - "बहन! मैं तुम्हारा भाई हूँ, मेरे हाथ पर राखी बांध दो।"

साधु ने राखी बंधवाई और लीला नामक उस बालिका के भाई बन गये।

इसी तरह प्रति वर्ष साधु महाराज आते और लीला से राखी बंधवाते।

समय बीतता गया और लीला बड़ी हो गई उसका विवाह हो गया।

कुछ वर्षों बाद लीला के पेट में कैंसर हो गया। डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। लीला मन ही मन सोचने लगी कि भगवान् ने मुझे यह दुःख क्यों दिया!?

लीला ने मां को कहा - "मेरे भैया को बुलवा दो, मैं उनसे मिलना चाहती हूँ।"

साधु महाराज ने अस्पताल में ज्यों ही लीला के कमरे में प्रवेश किया, त्यों ही लीला ने अपने भैया का हाथ पकड़ लिया।

और रोते हुए बोली - "कहां है भगवान?" कह दो उसे कि या तो लीला की पीड़ा हर ले या प्राण हर ले! अब मुझसे कैंसर की पीड़ा सही नहीं जाती।"

लीला की हालत को देखकर साधु महाराज ने शांत भाव से कुछ क्षणों के लिए आँखें बंद कर ली।

फिर अपने कंधे पर रखा वस्त्र लीला को देते हुए बोले- "बहन! प्रभु पर विश्वास रखो, तुम्हे कुछ नहीं होगा!" यह कहकर वो वहां से चले गए।

जैसे ही लीला सुबह सो कर उठी, वह कल से अच्छा महसूस कर रही थी। लीला बोल उठी - "कहां है कैंसर! मैं एकदम ठीक हूँ, मां, मुझे घर ले चलो।"

लीला की जाँच की गई, कैंसर का नामोनिशान नहीं मिला।

वह ख़ुशी से साधू महाराज से मिलने गई।

साधु महाराज ने कहा - "प्रभु ने तुम्हें प्राण शक्ति दी है, न जाने कौन सा कर्म तुम्हारे सामने आया था।"

"विपदा तो टल गई परंतु बहिन आज से दूसरों की सेवा मैं समय जरूर निकालो।"

"ऐसा क्यों भैया?"

साधु महाराज बोले- "लीला, जहां दवा काम नहीं करती वहां दुआ काम करती है। सुबह उठते ही प्रभु को याद करो और मन ही मन बोलो - "मैं शरीर नहीं हूँ, मैं अमर आत्मा हूँ, मैं प्रभु की हूँ, मैं मुक्त हूँ। मन को शांत रखने के लिए "ॐ" का उच्चारण जरूर किया करो।

सारः- इंसान के दृढ़ निश्चय से जब दूर किनारा होता है। तूफान में टूटी कश्ती का एक भगवान् ही सहारा होता है।

ऐसे ही जब आपके जीवन में कोई ऐसी समस्या, दुःख, मुसीबत आए जिसका आपके पास हल न हो तो आप भी घबराना नहीं बल्कि किसी एकांत कमरे में चले जाना और भगवान, सद्‌गुरु के चरणों में प्रार्थना करके सब कुछ उनको सौंप देना और शांत - निर्भर हो जाना फिर जिसमें आपका परम मंगल होगा, परम हितैषी परमात्मा वही करेंगे।

तेरे पास बैठना भी पूजा है
तुझे दूर से देखना भी पूजा है।
ना माला, ना मंत्र, ना पूजा
तुझे हर घड़ी याद करना भी पूजा है।।

संस्कार दिए बिना 'सुविधाएँ' देना पतन का कारण है, बच्चे को सुविधाएँ न दो तो थोड़ी देर रोयेगा लेकिन "संस्कार न दो तो पूरी ज़िन्दगी रोना पड़ेगा..!!

सच्चा सुख और आनंद

पुराने समय में संत गाँव के लोगों को प्रवचन देते थे, भिक्षा मांगकर अपना जीवन यापन करते थे।

एक दिन गाँव की महिला ने एक संत के लिए खाना बनाया। जब संत उस महिला के घर खाना खाने गए, तो उस महिला ने पूछा की महाराज हमें जीवन में सच्चा सुख और आनंद कैसे मिल सकता है?

इस पर संत ने कहा कि इसका जवाब हम आपको कल देंगे।

अगले दिन उस महिला ने संत के लिए खीर बनाई, क्योंकि वह महिला उन संत से सुख और आनंद के बारे में प्रवचन सुनना चाहती थी।

उसके बाद संत आए और उन्होंने भिक्षा के लिए उस महिला को आवाज दी। महिला संत के लिए खीर लेकर बाहर आई।

संत ने खीर लेने के लिए अपना कमंडल आगे किया। महिला खीर डालने ही वाली थी की उसकी नजर कमंडल के अन्दर पड़ी थी।

तो उसने संत से कहा की महाराज आपका कमंडल तो गंदा है, इसमें कचरा पड़ा है।

इस पर संत ने कहा- हां कमंडल गंदा है, लेकिन आप खीर इसमें ही डाल दो।

महिला ने कहा- नहीं महाराज, ऐसे तो खीर ख़राब हो जाएगी।

आप ऐसा कीजिए ये कमंडल मुझे दीजिए, मैं इसे धोकर साफ कर देती हूं। इस पर संत ने पूछा की मतलब जब तक कमंडल साफ नहीं होगा तो आप इसमें खीर नहीं देगी?

उसके बाद महिला ने कहा- जी महाराज, मैं इसे साफ करने के बाद इसमें खीर दे दूंगी।

तब संत ने कहा की ठीक इसी तरह जब तक हमारे मन में लोभ, क्रोध, मोह, और काम जैसे बुरे विचारो की गंदगी है, तो हम उसमें अच्छे उपदेश कैसे डाल सकते हैं?

अगर ऐसे मन में उपदेश डालेंगे तो अपना असर नहीं दिखा पाएंगे।

इसलिए अच्छे उपदेश सुनने के लिए मन को शांत और पवित्र करना चाहिए। तभी हम ज्ञान की बातें सीख सकते हैं।

शांत और पवित्र मन वाले ही सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति कर पाते हैं।

शिक्षा:-

जब हम अपने मन को शांत और पवित्र बना लेंगे तब हमें जीवन का सच्चा सुख और आनंद की प्राप्ति होगी।

असली स्नान

एक बार सत्यभामा ने जिज्ञासा से रुक्मिणी से पूछा- "दीदी, क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि श्रीकृष्ण बार-बार द्रौपदी के पास क्यों जाते हैं? ऐसा तो कोई साधारण भाई-बहन के रिश्ते में भी नहीं होता! मुझे तो कुछ रहस्य लगता है।"

रुक्मिणी मुस्कुराईं और बोलीं- "तुम व्यर्थ के संदेह में मत पड़ो, यह संबंध बहुत पवित्र है।"

लेकिन सत्यभामा के मन में यह बात बैठ गई।

कुछ समय बाद जब श्रीकृष्ण कहीं जाने लगे, तो सत्यभामा ने पूछा- "प्रभु, आप कहाँ जा रहे हैं?"

श्रीकृष्ण ने सहज भाव से कहा मैं द्रौपदी से मिलने जा रहा हूँ।"

यह सुनते ही सत्यभामा का संदेह और बढ़ गया। उन्होंने तुरंत रुक्मिणी से कहा - "देखा दीदी, फिर वही!"

तब श्रीकृष्ण ने दोनों से कहा- "यदि चाहो तो तुम भी मेरे साथ चल सकती हो।"

दोनों तैयार हो गईं।

जब वे द्रौपदी के महल पहुँचीं, तो देखा कि द्रौपदी अपने केश सजा रही थीं। श्रीकृष्ण ने हँसते हुए कहा- "अरे द्रौपदी! आज तुम्हारी भाभियां आई हैं, अब ये ही तुम्हारे केश संवारेंगी।"

फिर उन्होंने सत्यभामा से कहा- "तुम इनके बालों में तेल लगाओ," और रुक्मिणी से-"तुम चोटी बना दो।"

सत्यभामा मन ही मन सोचने लगीं- "आज मौका मिला है, देखती हूँ इसका अभिमान कैसे टूटता है।"

जैसे ही उन्होंने द्रौपदी के बालों में हाथ लगाया और एक बाल खींचा, उसी क्षण धीमी सी आवाज आई- "हे कृष्ण" उन्होंने फिर दूसरा बाल खींचा-"हे कृष्ण" - तीसरी बार भी वही हुआ-"हे कृष्ण"।

अब सत्यभामा चौंक गईं। उन्होंने रुक्मिणी से कहा- "दीदी, यह क्या रहस्य है? हर बार बाल छूने पर कृष्ण का नाम क्यों सुनाई देता है?"

रुक्मिणी भी आश्चर्य में थीं।

तभी पीछे से श्रीकृष्ण मुस्कुराते हुए बोले- "सत्यभामा, तुम यही जानना चाहती थीं ना कि मैं द्रौपदी के पास बार-बार क्यों आता हूँ?"

उन्होंने आगे कहा- "इस पृथ्वी पर ऐसा कोई नहीं जो दिन-रात इतनी भक्ति में लीन हो। द्रौपदी का हर श्वास, हर रोम मेरा नाम जपता है। उनका मन, वचन और शरीर - सब मुझमें ही रमा हुआ है। इसलिए मैं स्वयं उनके पास खिंचा चला आता हूँ।"

फिर श्रीकृष्ण बोले - "सच्चा स्नान केवल जल से नहीं होता! जब मनुष्य अपने हर रोम में भगवान का स्मरण कर लेता है, तभी वह वास्तविक 'स्नान' कहलाता है।"

संदेश

सिर्फ शरीर को साफ करना 'नहाना' है, लेकिन मन और आत्मा को भगवान के नाम में डुबो देना ही असली 'स्नान' है।

प्रार्थनाएं

श्रीमद्भागवत पुराण में कथा आती है कि खट्वांग को दो घड़ी में भगवान् के दर्शन हो गये थे!

यदि कोई भी व्यक्ति हर रोज़ नीचे लिखी तीनों प्रार्थनाओं को करे, जिसमें दो मिनट का समय लगता है, तो उसे निश्चित रूप से इसी जन्म में भगवद्-प्राप्ति हो जायेगी।

यह तीनों प्रार्थनाएँ सभी ग्रंथों, वेदों तथा पुराणों का सार हैं।

पहली प्रार्थना -

रात को सोते समय भगवान् से प्रार्थना करो -

"हे मेरे प्राणनाथ गोविंद! जब मेरी मौत आए और मेरे अंतिम सांस के साथ, जब आप मेरे तन से बाहर निकलो तब आपका नाम उच्चारण करवा देना। भूल मत करना।"

दूसरी प्रार्थना -

प्रातःकाल उठते ही भगवान् से प्रार्थना करो -

"हे मेरे प्राणनाथ! इस समय से लेकर रात को सोने तक, मैं जो कुछ भी कर्म करूँ, वह सब आपका समझ कर ही करूँ और जब मैं भूल जाऊँ, तो मुझे याद करवा देना।"

तीसरी प्रार्थना -

प्रातःकाल स्नान इत्यादि करने तथा तिलक लगाने के बाद भगवान् से प्रार्थना करो -

"हे मेरे प्राणनाथ! गोविंद! आप कृपा करके मेरी दृष्टि ऐसी कर दीजिये कि मैं प्रत्येक कण-कण तथा प्राणीमात्र में आपका ही दर्शन करूँ।"

आवश्यक सूचना-

इन तीनों प्रार्थनाओं को तीन महीने लगातार करना बहुत जरूरी है। तीन महीने के बाद अपने आप अभ्यास हो जाने पर प्रार्थना करना स्वभाव बन जायेगा।।

दुख और नमक

एक बार एक नव युवक गौतम बुद्ध के पास पहुंचा और बोला

"महात्मा जी, मैं अपनी ज़िन्दगी से बहुत परेशान हूं, कृपया इस परेशानी से निकलने का उपाय बताएं।

बुद्ध बोले: "पानी के गिलास में एक मुट्ठी नमक डालो और उसे पियो..।"

युवक ने ऐसा ही किया।

"इसका स्वाद कैसा लगा?" बुद्ध ने पुछा।

"बहुत ही खराब, एकदम खारा" युवक थूकते हुए बोला

बुद्ध मुस्कुराते हुए बोले:

"एक बार फिर अपने हाथ में एक मुट्ठी नमक ले लो और मेरे पीछे-पीछे आओ। दोनों धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगे और थोड़ी दूर जाकर स्वच्छ पानी से बनी एक झील के सामने रुक गए।

"चलो, अब इस नमक को पानी में डाल दो, बुद्ध ने निर्देश दिया।

युवक ने ऐसा ही किया।

"अब इस झील का पानी पियो", बुद्ध बोले।

युवक पानी पीने लगा,

एक बार फिर बुद्ध ने पूछा: "बताओ इसका स्वाद कैसा है क्या अभी भी तुम्हे ये खारा लग रहा है?

"नहीं, ये तो मीठा है, बहुत अच्छा है", युवक बोला ।

बुद्ध युवक के बगल में बैठ गए और उसका हाथ थामते हुए बोले: "जीवन के दुःख बिलकुल नमक की तरह हैं, न इससे कम ना ज्यादा। जीवन में दुःख की मात्रा वही रहती है, बिलकुल वही।

लेकिन हम कितने दुःख का स्वाद लेते हैं, ये इस पर निर्भर करता है कि हम उसे किस पात्र में डाल रहे हैं।

इसलिए जब तुम दुखी हो तो सिर्फ इतना कर सकते हो कि खुद को बड़ा कर लो। गिलास मत बने रहो, झील बन जाओ।

करुणानिधि की करुणा*

एक बार भगवान राम और लक्ष्मण दोनों भाई एक सरोवर में स्नान के लिए उतरे। उतरते समय उन्होंने अपने-अपने धनुष बाहर तट पर गाड़ दिए। जब वे स्नान करके बाहर निकले तो लक्ष्मण ने देखा की उनकी धनुष की नोक पर रक्त लगा हुआ था!

उन्होंने भगवान राम से कहा- "भ्राताश्री! लगता है कि अनजाने में कोई हिंसा हो गई।"

दोनों ने मिटटी हटाकर देखा तो पता चला कि वहां एक मेढ़क मरणासन्न पड़ा हुआ है।

भगवान राम ने करुणावश मेंढक से कहा- "तुमने आवाज क्यों नहीं दी? कुछ हलचल, छटपटाहट तो करनी थी। हम लोग तुम्हे बचा लेते। जब सांप तुम्हे पकड़ता है तब तो तुम खूब आवाज लगाते हो। धनुष लगा तो क्यों नहीं बोले?"

मेंढक बोला - प्रभु! जब सांप पकड़ता है, तब मैं 'राम-राम' चिल्लाता हूँ। एक आशा और विश्वास रहता है कि प्रभु अवश्य पुकार सुनेंगे। परन्तु आज जब देखा की साक्षात् भगवान् श्री राम स्वयं धनुष लगा रहे है तो किसे पुकारता? आपके सिवाय किसी और का नाम याद नहीं आया। बस इसी को अपना सौभाग्य मानकर चुपचाप सहता रहा।

सच्चे भक्त जीवन के हर क्षण को भगवान का आशीर्वाद मानकर उसे स्वीकार करते हैं। जब दुःख होता है वो उसे अपनी गलती की सजा समझते है और जब सुख होता है तो उसे ईश्वर की दया समझते है।

लालच ने छीनी शांति

किसी गांव में एक धनी सेठ रहता था उसके बंगले के पास एक जूते सिलने वाले गरीब मोची की छोटी सी दुकान थी।

उस मोची की एक खास आदत थी कि जब भी जूते सिलता तब भगवान के भजन गुनगुनाया करता था लेकिन सेठ ने कभी उसके भजनों की तरफ ध्यान नहीं दिया।

एक दिन सेठ व्यापार के सिलसिले में विदेश गया और घर लौटते वक्त उसकी तबियत बहुत ख़राब हो गयी।

लेकिन पैसे की कोई कमी तो थी नहीं सो देश विदेशों से डॉक्टर, वैद्य, हकीमों को बुलाया गया लेकिन कोई भी सेठ की बीमारी का इलाज नहीं कर सका।

अब सेठ की तबियत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही थी। वह चल फिर भी नहीं पाता था।

एक दिन वह घर में अपने बिस्तर पे लेटा था अचानक उसके कान में मोची के भजन गुनगुनाने की आवाज सुनाई दी!

आज मोची के भजन कुछ अच्छे लग लग रहे थे सेठ को, कुछ ही देर में सेठ इतना मंत्रमुग्ध हो गया कि उसे ऐसा लगा जैसे वो साक्षात परमात्मा से मिलन कर रहा हो।

मोची के भजन सेठ को उसकी बीमारी से दूर लेते जा रहे थे कुछ देर के लिए सेठ भूल गया कि वह बीमार है उसे अपार आनंद की प्राप्ति हुई।

कुछ दिन तक यही सिलसिला चलता रहा, अब धीरे धीरे सेठ के स्वास्थ्य में सुधार आने लगा।

एक दिन उसने मोची को बुलाया और कहा – मेरी बीमारी का इलाज बड़े बड़े डॉक्टर नहीं कर पाए लेकिन तुम्हारे भजन ने मेरा स्वास्थ्य सुधार दिया ये लो १००० रुपए इनाम, मोची खुश होते हुए पैसे लेकर चला गया।

लेकिन उस रात मोची को बिल्कुल नींद नहीं आई वो सारी रात यही सोचता रहा कि इतने सारे पैसों को कहाँ छुपा कर रखूं और इनसे क्या क्या खरीदना है?

इसी सोच की वजह से वो इतना परेशान हुआ कि अगले दिन काम पे भी नहीं जा पाया।

अब भजन गाना तो जैसे वो भूल ही गया था, मन में खुशी थी पैसे की।

अब तो उसने काम पर जाना ही बंद कर दिया और धीरे धीरे उसकी दुकानदारी भी चौपट होने लगी।

इधर सेठ की बीमारी फिर से बढ़ती जा रही थी।

एक दिन मोची सेठ के बंगले में आया और बोला सेठ जी आप अपने ये पैसे वापस रख लीजिए, इस धन की वजह से मेरा धंधा चौपट हो गया, मैं भजन गाना ही भूल गया।

इस धन ने तो मेरा परमात्मा से नाता ही तुड़वा दिया। मोची पैसे वापस करके फिर से अपने काम में लग गया।

मित्रो ये केवल एक कहानी मात्र नहीं है ये एक सीख है कि किस तरह हम पैसों का लालच हमको अपनों से दूर ले जाता है हम भूल जाते हैं कि कोई ऐसी शक्ति भी है जिसने हमें बनाया है।

प्रांतीय लघु अधिवेशन 'समन्वय-२०२६' सम्पन्न

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पुप्रमास) के दो दिवसीय प्रांतीय लघु अधिवेशन "समन्वय २०२६ – सशक्त समाज, उज्ज्वल भविष्य" का भव्य शुभारंभ दिनांक: १६–१७ मई २०२६, शुक्रवार को मोरानहाट स्थित राधाकृष्ण विवाह भवन परिसर में हुआ। सम्मेलन परिवार की मोरानहाट शाखा के आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय कार्यकारिणी के उद्घाटन सत्र "लाचित सत्र" से हुआ। प्रारंभ में शाखा सचिव श्री छगनलाल माड़ोदिया, शाखाध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल, स्वागताध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गाड़ोदिया, स्वागत मंत्री श्री पवन मोर, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा, प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री बिनोद लोहिया सहित अन्य पदाधिकारियों का मंचासीन कराया गया। अतिथियों का पारंपरिक अभिनंदन किया गया तथा मारवाड़ी युवा मंच मोरानहाट शाखा की महिला सदस्याओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

असम के जातीय गीत की सामूहिक प्रस्तुति और भगवान गणपति की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा।

स्वागताध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गाड़ोदिया ने स्वागत भाषण दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने मोरानहाट शाखा के आतिथ्य और आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि असम का मारवाड़ी समाज अपनी सामूहिकता और सौहार्द के लिए विशेष पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि यहां विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में जिस तरह सहभागिता दिखाई देती है, वह प्रेरणादायी है। उन्होंने राष्ट्र स्तर पर संचालित विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी भी साझा की।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा ने समाज के सामने मौजूद विभिन्न चुनौतियों और सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा करते हुए उनके समाधान की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा ने संगठन की गतिविधियों और "संस्कार शाला" प्रकल्प की जानकारी देते हुए सभी शाखाओं से ऐसे प्रकल्प प्रारंभ करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर "सम्मेलन समाचार" की हार्ड कॉपी का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वागत मंत्री पवन मोर ने प्रभावशाली ढंग से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री छगनलाल माड़ोदिया ने प्रस्तुत किया।

इसके बाद चतुर्थ प्रांतीय कार्यकारिणी सभा आयोजित हुई, जिसमें संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक ने मंत्री प्रतिवेदन तथा प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री दिनेश गुप्ता ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इस दौरान सम्मेलन की नवगठित शाखाओं को शाखा प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

"समन्वय" विषय पर आयोजित विशेष परिचर्चा में समाज के विभिन्न घटकों के बीच बेहतर तालमेल, संकट के समय सामूहिक सहयोग तथा स्थानीय समाजों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा हुई। इस परिचर्चा में श्री कैलाश काबरा, श्री राज चौधरी, श्रीमती शालिनी बगड़िया, श्री गोपाल जालान और टीवी डिबेटर श्री ललित जैन ने अपने विचार रखे।

अधिवेशन के दूसरे दिन १७ मई को नामघर दर्शन, प्रांतीय सभा, मोटिवेशनल कार्यक्रम, हास्य संध्या और समापन समारोह सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिलांग के श्री अंकुर झुनझुनवाला प्रेरक वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि राजस्थान के प्रसिद्ध हास्य कवि श्री हरीश हिंदुस्तानी अपनी प्रस्तुति से प्रतिनिधियों को गुदगुदाएंगे।

कृष्णाई शाखा का नवगठन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित कृष्णाई शाखा का शपथग्रहण समारोह दिनांक १८ अप्रैल २०२६ को स्थानीय तेरापंथ भवन के प्रांगण में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गुवाहाटी, बंगाईगांव एवं बरपेटा रोड से पधारे प्रांतीय एवं मंडलीय पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र हरलालका, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज जैन काला, मंडलीय उपाध्यक्ष श्रीधर शर्मा एवं मंडलीय सहायक मंत्री श्रीमती स्मिता धिरासरिया ने नवगठित शाखा के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर सम्मेलन की ११०वीं शाखा के रूप में कृष्नाई इकाई का विधिवत शुभारंभ किया।

समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी श्री धर्मचंद जैन ने की। स्वागत उद्‌बोधन श्री अनिल जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि सभी अतिथियों का पारंपरिक 'फुलाम गमछा' पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसके उपरांत कृष्नाई की बहनों ने सुमधुर गणेश वंदना प्रस्तुत की।

मंडलीय उपाध्यक्ष श्रीधर शर्मा ने १६ आजीवन सदस्यों को शपथ दिलाकर उन्हें सम्मेलन परिवार से जोड़ा। सभी नवसदस्यो को प्रांत की ओर से दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया तथा सदस्यता प्रमाणपत्र एवं लेपल पिन प्रदान किए गए। प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने संस्थापक अध्यक्ष के रूप में श्री अनिल जैन को शपथ दिलाकर पदभार ग्रहण करवाया।

कार्यक्रम के दौरान शाखा को मानपत्र भेंट किया गया तथा संगठन की एकजुटता को रेखांकित करता एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित जनों को भाव-विभोर कर दिया। श्रीमती स्मिता धिरासरिया द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यकारिणी बैठक संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, गुवाहाटी की दसवीं कार्यकारिणी बैठक शाखा दिनांक १५ अप्रैल को अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ गुरु वंदना के साथ हुआ, जिसके पश्चात अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर सभी सदस्यों का अभिनंदन किया।

बैठक के दौरान कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया तथा वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री बसंत सुराणा का सम्मान किया गया। श्री सुराणा ने 'संस्कार शाला' की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए महिला शाखा को इसे प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि यह पहल बच्चों में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के विकास हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। शाखा की सभी सदस्यों ने इस सुझाव का स्वागत करते हुए शीघ्र ही संस्कार शाला की कक्षाएं एवं कार्यशाला आयोजित करने का आश्वासन दिया।

बैठक में प्रांतीय संयोजक श्री प्रकाश बरड़िया, सलाहकार श्रीमती इंद्रा जिंदल, कोषाध्यक्ष श्रीमती शांति कुंडलिया, उपाध्यक्ष श्रीमती रश्मि जैन एवं श्रीमती रेखा गोयल सहित कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती संतोष धानुका, श्रीमती निकिता सांखला, श्रीमती बीना चौरड़िया, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती राजश्री कुचेरिया, श्रीमती सिया शर्मा, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती मधु हरलालका, श्रीमती प्रेमलता सिंघानिया, श्रीमती मधु लूणिया एवं श्रीमती कविता जोगड़ की उपस्थिति रही।

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २४ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।

२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।

३. अधिक जानकारी के लिए **www.marwarisammelan.com** को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

४. राष्ट्रीय कार्यालय के दिए गए पते पर सम्पर्क करें।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मोरान के श्री राधाकृष्ण विवाह भवन परिसर में दिनांक: १६ अप्रैल २०२६ को छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन मारवाड़ी युवा मंच, मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी महिला सम्मेलन तथा मोरान संगीतमय सुंदरकांड परिवार के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

समारोह की अध्यक्षता मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल ने की। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में मारवाड़ी युवा मंच की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी शर्मा, सचिव श्री मनीष बेड़िया, सम्मेलन के सचिव श्री छगनलाल माड़ोदिया, मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा अग्रवाल, सचिव श्रीमती सुनीता निर्मल अग्रवाल, सुंदरकांड परिवार के अध्यक्ष श्री पवन मोर तथा समाजबंधु श्री सत्यनारायण अग्रवाल शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री मनीष बेड़िया द्वारा उद्देश्य व्याख्या एवं स्वागत संबोधन के साथ हुआ। इसके पश्चात श्री पवन मोर द्वारा कक्षा दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के छह छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभाओं को पारंपरिक 'फुलाम गमछा' पहनाकर, पेन, गिफ्ट हैंपर, सुंदरकांड पुस्तिका एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

सम्मानित छात्र-छात्राओं ने अपने उद्बोधन में इस सम्मान के लिए आयोजक संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प दोहराया। इसके उपरांत श्रीमती स्वीटी शर्मा, श्रीमती प्रभा अग्रवाल, श्रीमती सुनीता निर्मल अग्रवाल, श्री छगनलाल माड़ोदिया, श्री मनीष बेड़िया, श्री सुशील बेड़िया, श्री सत्यनारायण बेड़िया एवं श्री बिनोद अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभाओं को शुभकामनाएं दीं।

गौ पूजन

रंगाली बिहू के अंतर्गत गोरू बिहू के अवसर पर श्री गौहाटी गौशाला में पारंपरिक विधि-विधान के साथ गौ माता का पूजन करते प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश चांडक एवं अन्य पदाधिकारी।

मण्डलीय उपाध्यक्ष का सांगठनिक दौरा

पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत मंडल 'ए' के मंडलीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार अग्रवाल ने २६ अप्रैल २०२६ को सम्मेलन की सोनारी शाखा का सांगठनिक दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. महेश कुमार जैन एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य संदीप अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई। मंडलीय उपाध्यक्ष एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारियों ने सोनारी शाखा के सदस्यों को मोरानहाट शाखा के आतिथ्य में आगामी १६ एवं १७ मई को आयोजित होने वाले प्रांतीय लघु अधिवेशन में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया।

दौरे के क्रम में श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी, सोनारी में एक संक्षिप्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांतीय सलाहकार श्री अनूप सिंह राजपुरोहित, सोनारी शाखा के सचिव श्री विद्याधर पारिक तथा सोनारी मारवाड़ी समाज के सचिव एवं शाखा के कार्यकारिणी सदस्य श्री मनीष चांडिया उपस्थित थे।

हृदय रोग परीक्षण शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन की डिमो शाखा के सौजन्य से तथा स्वर्गदेव सुकाफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से २५ अप्रैल २०२६ को कायाकिन नर्सिंग होम में हृदय रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य आमजन को हृदय संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सुविधा उपलब्ध कराना था।

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार पांडे एवं उनकी ट ीम द्वारा ईसीजी सहित आवश्यक परीक्षण किए गए। कुल ५६ लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया और विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया।

इस अवसर पर शाखाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश बजाज के साथ श्री शंकर शर्मा, श्री राजेंद्र जाटिया, श्री सांवरमल मित्तल, श्री विनोद बजाज, श्री पवन धुरिया, श्री आनंद अग्रवाल, श्री सुमित पोद्दार एवं श्री रूपेश बजाज ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

राजस्थान महोत्सव सह मेला–२०२६

पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय "राजस्थान महोत्सव सह मेला २०२६" ने जमशेदपुर में सांस्कृतिक उत्सव की नई मिसाल कायम की। १७ से १९ मई तक चले इस भव्य आयोजन में लगभग ६०,००० लोगों ने भाग लिया। पूरा मैदान राजस्थानी लोक संस्कृति, संगीत, खान-पान, चोखी ढाणी, मिनी जैसलमेर, ऊंट-घोड़ा सवारी एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर नजर आया।

प्रथम दिवस १७ मई को राजस्थान महोत्सव सह मेला २०२६ का शुभारंभ अत्यंत भव्य एवं पारंपरिक वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय थे। सम्मानित अतिथियों में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी एवं मुख्य संरक्षक रमेश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, गजानंद भालोटिया, राम कृष्ण चौधरी, इंदर अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का राजस्थानी साफा, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर पारंपरिक स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने कहा कि राजस्थान महोत्सव केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि संस्कृति, संस्कार, शौर्य और पारिवारिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता और सहभागिता ही सम्मेलन की सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्य अतिथि सरयू राय ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा एवं अतिथि सत्कार के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है तथा ऐसे आयोजन जमशेदपुर की सांस्कृतिक विविधता को और मजबूत बनाते हैं।

प्रथम दिवस का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध हास्य कलाकार एवं राजस्थानी लोक मंच संचालक संजय मुकुंदगढ़ की प्रस्तुति रही। संजय मुकुंदगढ़ ने अपनी शानदार प्रस्तुति से पूरे गोपाल मैदान को राजस्थानी लोकधुनों से सराबोर कर दिया। उन्होंने हास्य, लोकसंगीत और पारंपरिक राजस्थानी शैली का ऐसा संगम प्रस्तुत किया कि दर्शक देर रात तक झूमते रहे। उन्होंने अपने लोकप्रिय गीत "धरती धोरा री", "चांद चढ्यो गिगनार", "कुरजा" सहित कई पारंपरिक राजस्थानी लोकगीतों की प्रस्तुति दी।

द्वितीय दिवस सुप्रसिद्ध थिएटर ग्रुप "टर्बन टेल्स" द्वारा प्रस्तुत हास्य नाटक "शेक्सपियर म्हारो जमाई" ने लोगों को खूब गुदगुदाया। हास्य, सामाजिक व्यंग्य और पारिवारिक मूल्यों पर आधारित इस प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित पोद्दार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में महामंत्री विनोद जैन, महिला सम्मेलन की अध्यक्षा प्रभा पाढ़ियां, उपाध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, जिला संरक्षक कृष्णा भालोटिया, मार्गदर्शक हरी मित्तल, स्मारिका के मुख्य संपादक मामचंद अग्रवाल, विश्वनाथ शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दूसरे दिन "चोखी ढाणी" और "मिनी जैसलमेर" लोगों के आकर्षण का विशेष केंद्र बने रहे। ऊंट की सवारी, रेत के टीले, राजस्थानी लोक संगीत, कठपुतली कला, मेहंदी, चूड़ी, पारंपरिक श्रृंगार और ग्रामीण संस्कृति की झलक ने लोगों को राजस्थान का वास्तविक अनुभव कराया।

समापन समारोह : राजस्थान की मरू कोकिला कही जाने वाली सीमा मिश्रा के सुरों से सुरमयी हुआ गोपाल मैदान।

१९ मई को राजस्थान महोत्सव सह मेला २०२६ का भव्य एवं गरिमामय समापन हुआ। अंतिम दिन पूरे मैदान में उत्साह, उमंग और भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका थे, जबकि

विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक मंगल कालिंदी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि पवन कुमार गोयनका ने कहा कि राजस्थान महोत्सव नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। वहीं विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति पूरे देश को जोड़ने का कार्य करती है तथा

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 6680 0000

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED
25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

मारवाड़ी समाज सदैव सेवा, व्यापार एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता आया है।

सम्मानित अतिथियों में राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता, अखिल भारतीय महिला मारवाड़ी सम्मेलन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जया डोकानिया, पूर्व राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता अग्रवाल, जिला संरक्षक दीपक भालोटिया, अरुण बांकेरवाल, छितरमल धूत, मार्गदर्शक मंडल के सांवलमल शर्मा एवं विजय सरायवाला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का राजस्थानी पाग, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर पारंपरिक स्वागत किया गया।

समापन समारोह का सबसे बड़ा आकर्षण राजस्थान की सुप्रसिद्ध लोक गायिका सीमा मिश्रा की संगीतमय प्रस्तुति रही। जैसे ही उन्होंने "केसरिया बालम पधारो म्हारे देस", "बन्ना रे बाग में झूला डाला" एवं "म्हारी घूमर है नखराली ए माँ" जैसे लोकप्रिय राजस्थानी लोकगीत प्रस्तुत किए गए।

सीमा मिश्रा की मधुर आवाज, पारंपरिक राजस्थानी अंदाज और लोकसंगीत की मिठास ने ऐसा समां बांधा कि पूरा वातावरण राजस्थान की संस्कृति और लोकधुनों से सराबोर हो उठा।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल के नेतृत्व में पूरी आयोजन समिति, महिला समिति, युवा समिति, संरक्षक मंडल एवं सैकड़ों स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीनों दिनों तक व्यवस्था, सुरक्षा, पार्किंग, मंच संचालन, अतिथि स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भोजन व्यवस्था एवं मेले के संचालन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया।

समापन अवसर पर जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने सभी संरक्षकों, दानदाताओं, प्रायोजकों, मीडिया बंधुओं, कलाकारों, कार्यकर्ताओं एवं जमशेदपुरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और सामूहिक प्रयासों से ही यह आयोजन ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बन पाया।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को दिया आमंत्रण

आगामी १७, १८ एवं १९ मई को बिष्टुपुर स्थित ऐतिहासिक गोपाल मैदान में आयोजित होने वाले राजस्थान महोत्सव सह मेला २०२६ पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल के नेतृत्व में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें महोत्सव में शामिल होने का औपचारिक आमंत्रण दिया।

आभार

विगत माह जमशेदपुर पश्चिम के विधायक श्री सरयू राय के नेतृत्व में टाटानगर रेलवे में ट्रेनों की लेटलतीफी को लेकर शुरू हुए आंदोलन में, श्री मुकेश मित्तल की अगुवाई में पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इसी क्रम में टाटानगर स्टेशन पर टाटा से जयपुर तक सीधी रेल सेवा की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। सम्मेलन ने हर स्तर पर निरंतर संघर्ष करते हुए इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। यह पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन की एक बड़ी जीत है, जिसके सतत प्रयासों से जमशेदपुर के मारवाड़ी समाज की बहुप्रतीक्षित मांग साकार हो सकी।

सबा स निवेदन है आपणां घरा में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड़ भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

प्रांतीय समाचार : झारखंड

महापंचायत गठन व मारवाड़ी छात्रावास निर्माण हेतु बैठक

रांची स्थित मारवाड़ी भवन के प्रांतीय कार्यालय में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्य समिति सदस्यों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व बैठक की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए संगठन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में संगठन को सुदृढ़ बनाने हेतु कई अहम निर्णय लिए गए। सभी प्रांतीय उपाध्यक्षों को झारखंड के विभिन्न जिलों में सक्रिय रूप से कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही नई शाखाओं के गठन एवं व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, जिससे संगठन की जमीनी पकड़ और अधिक मजबूत हो सके। सम्मेलन द्वारा एक नए ट्रस्ट के गठन का भी निर्णय लिया गया, जिसका नाम संपत्ति संरक्षण मंडल रखा गया है। इस ट्रस्ट का उद्देश्य संगठन की संपत्तियों का संरक्षण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन सुनिश्चित करना होगा। बैठक में एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महापंचायत का गठन किया गया, जिसके संयोजक पूर्व सांसद महेश पोद्दार को बनाया गया। इसके सदस्य के रूप में देवघर से अशोक डालमिया, चाकुलिया से दुर्गा दत्त लोधा, धनबाद से चंद्रशेखर अग्रवाल, जमशेदपुर से दीपक भलोतिया, कोडरमा से राम रतन महर्षि एवं गिरिडीह से श्रवण केडिया को शामिल किया गया। संगठनात्मक विस्तार के क्रम में धनबाद प्रमंडल के लिए मोहन अग्रवाल को नया उपाध्यक्ष तथा दीपक रूईया को मंत्री नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त अनुशासन समिति का गठन करते हुए कृष्णा अग्रवाल को इसका संयोजक बनाया गया। बैठक में रांची में एक मारवाड़ी छात्रावास के निर्माण का भी सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया, जिसे सम्मेलन द्वारा संचालित किया जाएगा। संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत सभी विभागीय समितियों को भंग कर दिया गया है, जबकि आवश्यकता के अनुसार कुछ समितियों को यथावत रखने का निर्णय लिया गया। इस कदम का उद्देश्य कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाना है। इसके साथ ही आगामी १७ से १९ मई तक जमशेदपुर में आयोजित होने वाले भव्य राजस्थान महोत्सव को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। उक्त जानकारी देते हुए प्रांतीय महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक में प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन सहित कमल कुमार केडिया, राजेंद्र कुमार केडिया, पवन कुमार पोद्दार, मनोज कुमार चौधरी, पवन शर्मा, सज्जन पाड़िया, अनिल कुमार अग्रवाल, कौशल कुमार राजगढिया, सुभाष पटवारी, निर्मल बुधिया, विजय कुमार खोवाल, कृष्णा अग्रवाल, प्रीतम गाड़िया, राजेश अग्रवाल, राकेश हेलिवाल, रामरतन महर्षि, नेहा पटवारी, रिंकू अग्रवाल, अरुण भरतिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्तर प्रदेश

आम सभा का आयोजन

मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर द्वारा आम सभा द ओशियन ग्रैंड होटल साकेत नगर में आयोजित की गई। इस आम सभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बैठक में पिछले वित्तीय वर्ष के आय व्यय की पुष्टि, वर्तमान में चल रहे कार्यों पर चर्चा, आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई गई।

महिला विंग में नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई जिसमें महिला महामंत्री के पद पर श्रीमती निधि जैन उपाध्यक्ष के पद पर शालू चौधरी, रश्मि अग्रवाल, मोनिका तुलस्यान, पूजा चौधरी कोषाध्यक्ष पद पर श्रीमती शुची अग्रवाल को मनोनीत किया गया। ओमप्रकाश अग्रवाल जी ने कहा मारवाड़ी समाज सेवा के कार्य में हमेशा आगे रहता है महामंत्री प्रदीप केडिया ने कहा कि विश्व में केवल मारवाड़ी समाज को ही भामाशाह की उपाधि मिली हुई है जो कि जनमानस ने सेवा कार्यों को देखते हुई दी है जो कि समाज के लिए एक गर्व है। संजय अग्रवाल जी द्वारा अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल महामंत्री प्रदीप केडिया को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मान किया गया। सभी ने नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री प्रदीप केडिया, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, श्री मनोज अग्रवाल, संरक्षक श्री सीताराम मित्तल, श्री आदित्य पोद्दार, श्री राकेश पोद्दार, श्री बीके सिंघल, श्री संदीप जैन श्री सतीश अग्रवाल, श्री कामता प्रसाद गर्ग, श्री नवीन चौधरी, श्री राजेश महेश्वरी, महिला अध्यक्ष श्रीमती आशा केडिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती शुची अग्रवाल, श्रीमती रंजना लडिया, श्रीमती शालू चौधरी, श्रीमती रश्मि अग्रवाल, मीडिया प्रभारी श्रीमती विनीता अग्रवाल, श्रीमती मोनिका अग्रवाल, आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)

41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बरगढ़ शाखा का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय यदुमनी प्रधान ऑडिटोरियम में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन नवनिर्वाचित सचिव दिनेश शर्मा द्वारा अत्यंत सुंदर, प्रभावशाली एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बरगढ़ विधायक श्री अश्विनी षड़ंगी उपस्थित रहे, जबकि सम्मानित अतिथि के रूप में पुर्व विधायक श्री देवेश आचार्य ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के तौर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव श्री किशन लाल अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष श्री विनोद अग्रवाल, मंडल सचिव श्री आनंद विरामिवाल, चुनाव अधिकारी श्री किशोर अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती निशा गोयल तथा युवा मंच अध्यक्ष श्री अंकित अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का नेतृत्व शाखा अध्यक्ष जगदीश गोलपुरिया ने किया। समारोह में आगामी सत्र २०२६-२७ के लिए दिलीप सांवडीया एवं उनकी टीम को प्रांतीय अध्यक्ष श्री सुभाष जी अग्रवाल, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश जी अग्रवाल द्वारा विधिवत शपथ दिलाकर दायित्व हस्तांतरित किया गया। इस अवसर पर बरगढ मंडल के पदमपुर, सोहेला, बरपाली, डूंगरीपाली, आताबीरा शाखा अध्यक्ष व उनकी टीम को पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर अग्रवाल ने शपथ पाठ कराया। बरगढ़ शाखा की ओर से समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री दिलीप सांवडीया के नेतृत्व में जरूरतमंद आश्रम को दो कूलर भेंट किए गए। साथ ही उन्होंने अपने कार्यकाल के प्रथम दिवस पर ही २५ नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने की घोषणा कर सभी का उत्साह बढ़ाया। समारोह में शीशराम अग्रवाल सहित बरगढ़ की अनेक सामाजिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पोषित ओडिशा कार्यक्रम

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, संबलपुर शाखा द्वारा पोषित ओडिशा कार्यक्रम के तहत १२ मई २६, मंगलवार को दलदली पाड़ा आंगनवाड़ी में तथा चंदननगर आंगनवाड़ी में फल, बिस्किट का वितरण शाखा अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल के वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर किया गया, तथा दोनों सेंटर में कूलर भी प्रदान किया गया, उक्त कार्यक्रम में निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल, कार्यक्रम प्रभारी शंभु बरेलिया तथा बच्चों के अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वाटर कुलर एवं स्नानागार का लोकार्पण

श्री सुशील सारडा, दलाईपाड़ा निवासी वर्तमान मोरवी, गुजरात निवासी ने उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आवाहन पर अपने स्वर्गीय पिता श्री रघुनाथ जी सारडा के पुण्य स्मृति में राजघाट, संबलपुर मंडलिया में एक शीतल पेयजल, वाटर कूलर तथा स्नानागार, हाथ धोने के लिए ६ नल लगवाया हैं जिसका लोकार्पण दिनांक १० मई २६, रविवार को प्रातः ८ बजे हुआ, इसका उद्घाटन सारडा परिवार के श्री शरत सारडा ने श्रीफल देकर किया, श्री दिनेश अग्रवाल, श्री शीशराम अग्रवाल, श्री राजकुमार पोद्दार, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, पलटू तथा श्री कैलाश अग्रवाल, श्री शंभू बरेलिया ने दुप्पटा तथा स्मृति चिन्ह से सारडा परिवार को सम्मानित किया तथा श्री विजय लाहोटी, श्री महेश शर्मा, टेम्पो के प्रयासों से इस कार्य को संपन्न करने में विशेष योगदान रहा, इंजीनियर राजेश अग्रवाल, श्री अरुण केजरीवाल, श्री विनय केडिया, श्री ललित शर्मा प्रमुख उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

शीतल जल वितरण

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा, टिटिलागढ़ द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए राहगीरों के लिए शीतल पेयजल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा कार्य के अंतर्गत लगभग ५०० बोतल शीतल पेयजल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, टिटिलागढ़ के अध्यक्ष बिनोद मारोडिया जी एवं राजेश अग्रवाल जी उपस्थित रहे तथा उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन चेन्नई के चेयरमैन श्री जगदीश जी एवं वढटर बलांगीर जोन अध्यक्ष प्रकाश कुमार गोयल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और अपने सहयोग से सेवा कार्य को सफल बनाया। उल्लेखनीय है कि आज महिला शाखा की सदस्य श्रीमती प्रियंका जैन और कीर्ति जैन का शादी का वर्षगाँठ भी था, जिसके कारण कार्यक्रम का आवश्यक व्यय उनकी ओर से वहन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती संगीता अग्रवाल, सचिव रौनक मरोड़िया, सह सचिव नीतू गोयल, प्रियंका जैन, मनीषा खैतान आदि ने सहयोग का हाथ बढ़ाया। सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह सेवा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अस्थायी प्याऊ की व्यवस्था

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की अंगुल शाखा द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंदों एवं राहगीरों की सेवा हेतु गांव-गांव में ६ अस्थायी शीतल जल प्याऊ की व्यवस्था की गई है। संचालित यह सेवा कार्य ३० जून तक जारी रहेगा।

प्रांतीय समाचार :सिक्किम

शिष्टाचार भेंट

२१ मई २०२६ को नई दिल्ली में सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं संबद्ध सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री साजन अग्रवाल के आगमन पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी से प्रांत के विषय में विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने सिक्किम में मारवाड़ी समाज को और आगे ले जाने हेतु आवाहन किया।

श्री गोयनका जी ने आश्वासन दिया कि सिक्किम के समाज के लिए यदि उनका कोई भी योगदान अपेक्षित होगा, तो वे उसके लिए सदैव तत्पर रहेंगे और हमें भरपूर सहयोग प्रदान करेंगे।

श्री अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को सिक्किम मारवाड़ी समाज के आगामी स्थापना दिवस समारोह में पधारने हेतु सादर आमन्त्रित किया एवं साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका से प्राप्त सुझावों को सिक्किम मारवाड़ी समाज की मंगलवार को होने वाली कार्यकारिणी समिति की बैठक में सभी सदस्यों के साथ साझा करने की बात कही।

ओम बिड़ला से सौजन्य भेंट

२१ मई २०२६ को संसद भवन में माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं सिक्किम मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री साजन अग्रवाल एवं उनकी टीम ने सौजन्य भेंट की।

इस अवसर पर श्री साजन अग्रवाल ने श्री ओम बिड़ला जी को सिक्किम में वर्ष १८९० से निवास कर रहे मारवाड़ी समाज के बारे में अवगत कराया और बताया की मारवाड़ी समाज को वहाँ बसे हुए १३५ वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। साथ ही सिक्किम की सभी २१ समुदायों के साथ प्रेम, सौहार्द एवं पारस्परिक सम्मान के साथ मिल-जुलकर रहते आ रहे हैं।

श्री अग्रवाल ने माननीय श्री बिड़ला जी को अगस्त २०२६ में आयोजित होने वाले सिक्किम मारवाड़ी समाज के स्थापना दिवस समारोह में पधारने हेतु आमंत्रित किया। श्री ओम बिड़ला जी ने भी श्री साजन अग्रवाल के निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया तथा अगस्त में सिक्किम आने का आश्वासन प्रदान किया।

सूरत शाखा के श्री सुशील अग्रवाल नये अध्यक्ष

दिनांक २६ अप्रैल २०२६ को सूरत शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक शाखा कार्यालय में बुलाई गई थी जिसमें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद्र बजाज एवं प्रादेशिक अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल के साथ-साथ शाखा अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल एवं उनके तमाम सहयोगी उपस्थित थे। यह बैठक गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन इकाई की संरचना, अधिकृत शाखाओं से संबंधित थी। बहुत ही गहन विचार विमर्श के बाद राष्ट्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार एवं प्रादेशिक पदाधिकारी की सूझबूझ से तथा श्री सुशील जी की टीम के सहयोग से सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि २०२३ से स्थापित सूरत की पहली शाखा जो सूरज जिला इकाई के रूप में संचालित थी उसका नाम बदलकर सूरत शाखा कर दिया गया। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में शाखा के तमाम सदस्यों ने इसपर अपनी सहमति दे दी।

पूर्व में सूरत जिला इकाई के नाम की जगह अब सूरत शाखा के नाम से जानी जाएगी एवं सूरत शाखा के अध्यक्ष के रूप में श्री सुशील अग्रवाल का चयन किया गया।

इस अवसर पर सूरत शाखा के सचिव श्री शिव कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी, उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल श्री विकास अग्रवाल, श्री राजेंद्र अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

गन्ने के जूस का वितरण

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तापी उड़ान शाखा द्वारा आज मजदूर दिवस के अवसर पर ठंडे-ठंडे गन्ने के जूस का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा श्रीमती मनीषा कजारिया जी के साथ श्रीमती रश्मि लाठ, श्रीमती नीता भट्टर, श्रीमती अनीता भालोटिया, श्रीमती प्रिया डागा, श्रीमती प्रियंका मस्कारा, श्रीमती रमा बंसल, श्रीमती अनीमा अग्रवाल, श्रीमती कविता डागा एवं अन्य महिलाओं की उपस्थिति रही।

मातृ दिवस का पालन

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, तापी उड़ान शाखा, सूरत द्वारा मदर्स डे के अवसर पर दिनांक १० मई २०२६ को एक भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो पूर्ण रूप से तनिष्क शोरूम द्वारा प्रायोजित था। तापी शाखा की सभी महिलाओं को तनिष्क शोरूम द्वारा विशेष आमंत्रण दिया गया था।

इस यादगार कार्यक्रम में अध्यक्षा मनीषा कजरिया, सचिव दिशा लोहिया, कोषाध्यक्ष रश्मि लाठ सहित अनीता भालोटिया, नीता भट्टार, प्रिया डागा, हेमा ढनढनिया, वंदना जैन, अलका गुप्ता, रश्मि खंडेलवाल, प्रियंका मस्करा, श्वेता केजरीवाल, ज्योति अग्रवाल, रुचि रोहतगी, पूजा केजरीवाल, रमा ड्रोलिया, अभिलाषा अग्रवाल, डॉक्टर सोनल जैन, सुधा मालानी, सरिता अग्रवाल, अनिमा अग्रवाल, सीमा खंडेलवाल, पूजा माहेश्वरी, अंजू नाहटा, कविता डागा, कृष्णा गणेरीवाल आदि के साथ-साथ और भी महिलाएं उपस्थित थी।

सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सानिध्य में सूरत में आयोजित सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम का रविवार, १७ मई २०२६ से भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ७ बजे श्री श्याम मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा के साथ हुई।

शोभायात्रा शहर भ्रमण करते हुए श्री मेहंदीपुर बालाजी धाम पहुंची। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और युवा भजन-कीर्तन करते हुए भगवान श्रीराम और हनुमानजी की भक्ति में लीन नजर आए। श्रद्धालु नाचते-गाते हुए पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा में शामिल हुए।

इस दौरान परम पूज्य संतोष भाई जी भी शोभायात्रा में उपस्थित रहे और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। मंदिर पहुंचने पर भक्तों ने भगवान श्रीराम और हनुमानजी के चरणों में ध्वज अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद गठजोड़ा पूजा में शामिल श्रद्धालुओं ने फलाहार ग्रहण किया, जबकि अन्य श्रद्धालुओं के लिए भंडारे के प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। सुबह लगभग ९:३० बजे गठजोड़ा पूजा प्रारंभ हुई, जिसके पश्चात अखंड सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ की शुरुआत की गई। आयोजकों के अनुसार यह धार्मिक आयोजन ३१ मई तक निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान आने वाले श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार हनुमान चालीसा का पाठ कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे।

प्रांतीय समाचार : आंध्र प्रदेश

प्याऊ का शुभारंभ

'आंध्रप्रदेश प्रादेशिक मारवाडी सम्मेलन' के तत्वावधान में 'विशाखापट्टनम मारवाड़ी सम्मेलन शाखा' के द्वारा विशाखापट्टनम के मेन रोड पर इस भीषण गर्मी मे रोड पर चलने वाले राहगीरो को राहत पहुचाने के लिए शीतल जल की प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

इस प्याऊ के सेवा काम मे दिनेश कुमारजी जैन ने अपने माता-पिता श्रीमती इंद्रा बेन धर्म पत्नी अंबालालजी जैन की स्मृति में सहयोग रहा आपने इस सेवा काम मे पुरा तन, मन, धन से पुरा सहयोग दिया।

इस सेवा कार्यक्रम मे विशाखापट्टनम मारवाडी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पोडेश्वरजी राजपुरोहित, सचिव श्री राजेश कुमार कोठारी एव सम्मेलन के अन्य गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र

सम्मान समारोह

जालना मारवाड़ी सम्मेलन एवम् जालना मारवाड़ी युवा मंच की और से आज सिद्धार्थ द फन होटल में जालना माहेश्वरी समाज शहर के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री विजय गौ राठी, सचिव श्री उमेश बजाज, जालना औषधि संगठन के अध्यक्ष श्री प्रमोद तोतला का सत्कार जालना मारवाड़ी सम्मेलन एवम् जालना मारवाड़ी युवा मंच की और से किया गया महाराष्ट्र मारवाड़ी सम्मेलन महामंत्री श्री सुदेश करवा, जालना जिला मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री सुभाष देवीदान, जालना मारवाड़ी सम्मेलन शहर अध्यक्ष श्री शरद काबरा, जालना मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष श्री चेतन बोथरा, श्री महेश भक्कड, श्री मनीष तवरावाला, श्री पवन जोशी, श्री सुनील राठी, श्री सुरेंद्र चेचानी, श्री विजय जैन, श्री रमेश अग्रवाल, श्री दिनेश बरलोटा, श्री शाम लखोटिया, सीए नितिन तोतला, श्री सुरेंद्र मुनोत, श्री संजय बाहेती, श्री प्रीतेश मालपानी, श्री आनंद जैन, श्री अरुण अग्रवाल, श्री अनुराग अग्रवाल, श्री राम सोमानी, श्री मयूर मालपानी, श्री पंकज देवीदान की उपस्थिति थी।

श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के आजीवन सदस्य एवं मृदुल स्वभाव के धनी आदरणीय रमेश कुमार बुबना जी के निधन दिनांक ६ मई २०२६ का समाचार अत्यंत दुःखद, हृदयविदारक रहा। सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धाजंलि!!

श्रद्धांजलि

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य एवं डॉलर इंडस्ट्रीज लि. के चेयरमैन एमेरिटस, श्रद्धेय श्री दीनदयाल गुप्ता जी का निधन दिनांक २ मई २०२६ का समाचार अत्यंत दुःखद एवं अपूरणीय क्षति का बोध कराने वाला है। उनकी सादगी और सामाजिक सेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। सम्मेलन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धाजंलि!!

कविता

स्वागत् है अभिनन्दन है, आप सभी का वन्दन है
हाथ में रोली चन्दन है, आपका अभिनन्दन है
वन्दन है जी वन्दन है, आपका अभिनन्दन है

हम तो यहाँ पर गाये मंगल गान, हृदय से सबका करते है सम्मान
आपका शुभ हुआ है स्वागतम्, प्रसन्नता से हर्षित सबका मन
सब आ गये, मन भा गये
बेला मंगलमय आई है, खुशियो का उजाना लाई है – वन्दन –

सम्मेलन परिवार हमारा है, सबको राह दिखाने वाला है
जब भी कोई उलझन आती है, आकर के सुलझाने वाला है
सब मिल गये, दिल खिल गये
खुशियो के दीप जलाये है, जो आप यहाँ सब आये है – वन्दन –

समन्वय होगा विचारो का यहाँ, समन्वय होगा समाज के घटको का
समन्वय होगा समाज की एकता का, समन्वय असमिया, मारवाड़ी संस्कृति का
रहे साथ हम, चले साथ हम
कदमो से कदम मिलाना है, आगे ही बढ़ते जाना है – वन्दन –

वन्दन है जी वन्दन है, आपका अभिनन्दन है - २
स्वागत् है अभिनन्दन है, आप सभी को वन्दन है - २
आप सभी का वन्दन है, आपका अभिनन्दन है - २

– श्रीमती मीरा पंसारी

(पूर्वोत्तर लघु अधिवेशन 'समन्वय-२०२६' में मोरानहाट महिला सदस्यों द्वारा प्रस्तुत)

भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान से सम्मानित 'प्रेम मिलन' कोलकाता : मानव सेवा का प्रेरणादायी केंद्र

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन ६-७ सितंबर २०२५ को दिल्ली में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्यों के लिए सम्मेलन की ओर से प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित "भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान" से 'प्रेम मिलन कोलकाता' को सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था द्वारा वर्षों से किए जा रहे नि:स्वार्थ मानव सेवा कार्यों की सार्वजनिक स्वीकृति और गौरवपूर्ण पहचान है।

'प्रेम मिलन' कोलकाता का संचालन समाजसेवी एवं चेयरमैन श्री चंद्रकांत सराफ के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में किया जा रहा है। चंद्रकांत सराफ जी ने सेवा, संवेदना और समर्पण को अपना जीवनधर्म बनाकर हजारों जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई आशा का संचार किया है। आज 'प्रेम मिलन' कोलकाता जरूरतमंदों की नि:शुल्क चिकित्सा सेवा का सबसे बड़ा और विश्वसनीय केंद्र बन चुका है।

नि:शुल्क चिकित्सा सेवा का अद्‌भुत उदाहरण

संस्था द्वारा २६ अप्रैल २०२६ तक कुल ४२,६९७ नि:शुल्क नेत्र ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि हजारों लोगों की आँखों में लौटाई गई रोशनी और जीवन में वापस आई खुशियों की कहानी है।

इसके अतिरिक्त 'प्रेम मिलन' नर्सिंग होम में हर्निया एवं हाइड्रोसील के २७८ सफल ऑपरेशन भी पूर्णत: नि:शुल्क किए जा चुके हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए यह सेवा किसी वरदान से कम नहीं है।

जीवनरक्षक डायलिसिस सुविधा

संस्था में वर्तमान में चार आधुनिक डायलिसिस मशीनें उपलब्ध हैं। अब तक ४६५ नि:शुल्क डायलिसिस किए जा चुके हैं। जिन मरीजों के लिए नियमित डायलिसिस अत्यंत महँगा उपचार होता है, उनके लिए 'प्रेम मिलन' आशा और जीवन का आधार बनकर सामने आया है।

नई नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच सेवा

संस्था ने अपने नर्सिंग होम परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच सेवा भी प्रारंभ की है। इसके अंतर्गत ईसीजी, ब्लड प्रेशर, पल्स रेट, रैंडम ब्लड शुगर तथा एसपीओ२ जैसी आवश्यक जाँचें पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह पहल आमजन के स्वास्थ्य जागरूकता और प्रारंभिक जाँच को सुलभ बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

सेवा कार्यों का व्यापक विस्तार

'प्रेम मिलन' केवल चिकित्सा सेवा तक सीमित नहीं है। संस्था द्वारा जरूरतमंदों को व्हीलचेयर प्रदान करना, गरीबों को नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराना तथा शीत ऋतु में कंबल वितरण जैसे अनेक मानवीय सेवा कार्य भी निरंतर किए जाते हैं।

संस्था की सबसे बड़ी विशेषता

'प्रेम मिलन' की सबसे प्रेरणादायी विशेषता यह है कि यहाँ कोई कैश काउंटर नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संस्था में आने वाले किसी भी मरीज से एक रुपया तक नहीं लिया जाता।

श्री चंद्रकांत सराफ वर्षों से बिना किसी प्रचार, व्यक्तिगत स्वार्थ के निरंतर सेवा कार्यों में समर्पित हैं। उनकी कार्यशैली में जाति, वर्ग, धर्म का भेदभाव नहीं है।

भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान से सम्मानित होकर 'प्रेम मिलन' कोलकाता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सच्ची सेवा वही है, जो नि:स्वार्थ भाव से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और उसके जीवन में आशा का दीप जलाए।

प्रेम मिलन (कोलकाता) से प्राप्त समाचार पर आधारित

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती डिंपल बैद मेसर्स - संपत ऑटोमोबाइल्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२११९२	**श्रीमती दुर्गा देवी राठी** के.बी. रोड, उत्तर लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ९९५४४४९९१४६	**श्रीमती गुलाब नाहर** भरलुमुख, ए.टी. रोड गुवाहाटी, कामरूप, असम मो. ९८६४४४६९१६	**श्री जय नारायण बंसल** पोस्ट – डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९९५७८५२५२१	**श्री कैलाश शर्मा** बजन पट्टी, उत्तरी लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ९६७८७७९२३३
श्रीमती डिंपल हरलालका फाटाशिल, कामरूप, असम मो. ९४३५७०६९५३	**श्री दुर्गा प्रसाद दर्जी (वर्मा)** शांतिपुर, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ८८२२८९४७७९	**श्री ज्ञान प्रकाश अग्रवाल** के.पी. रोड, पोस्ट - डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५३३८५७७	**श्री जसकरण तातेर** एम.एम. रोड, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७४५९१	**श्री कैलाश शर्मा** ए-सेक्टर, मेन रोड, नाहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९६१२१५९५०५
श्रीमती डिंपल शर्मा कुमारपाड़ा पांचाली गुवाहाटी, असम मो. ८०११७९१९८८	**श्रीमती एकता बोथरा** जी. एस. रोड, क्रिश्चियन बस्ती दिसपुर, गुवाहाटी, असम मो. ९७०७०३०७५६	**श्री हरि प्रसाद शर्मा** पुराना चार्ली, राहा नगांव, असम मो. ९८६४६६४४५५	**श्रीमती जया पारीक** अठगांव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१९४२५७	**श्रीमती काजल अग्रवाल** चापागुड़ी रोड, बी.ओ.सी. गेट, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२२१७९४५
श्री दीन दयाल पोद्दार पुराना चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ९४३५१६००९९	**श्री गणपत लाल जैन** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२२७३३८	**श्री हरि सिंह चौधरी** मेसर्स - सिलापाथर एस्सार पेट्रोल पंप, धेमाजी, असम मो. ९३६६३२४३८६	**श्री जितेंद्र कुमार जैन** एम.एस. रोड, फैंसी बाज़ार गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५५६३४१	**श्री कमल जैन** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९८६२०८७२१३
श्री दिनेश खेतावत तेलीपट्टी, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ७००२०९३५७६	**श्रीमती गरिमा व्यास** कुमारपाड़ा पाचली, गुवाहाटी, असम मो. ६००१८४४३९३	**श्रीमती हेमलता शर्मा** ए.के. आजाद रोड, रेहाबाड़ी गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१०६१६१	**श्री जितेंद्र कुमार नाहटा** दास पट्टी, काली मंदिर के पास, करीमगंज, असम मो. ९८५४०५४०७३	**श्री कमल किशोर मालपानी** मेसर्स - मालपानी स्टोर रतनपुर, धेमाजी, असम मो. ९४३५१८०४२०
श्री दिनेश कोठारी ए.डी.सी. रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४७६७०६६	**श्री गौरव मोरे** माधव देव पथ, हैबरगांव नगांव, असम मो. ९७०७६५८८००	**श्री हेमंत कुमार लुंडिया** जैन गली, केदार रोड गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५५२८३९	**श्री जितेंद्र सोनी** मारवाड़ी पट्टी, जोरहाट, असम मो. ८०११९०९७९७	**श्री कमल कुमार लाहोटी** ओल्ड ए.टी. रोड डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५०३६५३५
श्री दिनेश कुमार जैन उदय पुष्प वाटिका, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०४२९८०	**श्री गौरी शंकर जाजोदिया** जी.एन.बी. रोड, ढाकापट्टी नगांव, असम मो. ९४३५२२४२००	**श्रीमती हीरा देवी बैद** आचार्य तुलसी मार्ग उत्तर बोंगाईगांव, असम मो. ९४३५१२६८४९	**श्री जितेश अग्रवाल** जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ७००२१६११९८	**श्री कमल कुमार राठी** मेसर्स - कमल स्टोर धेमाजी, असम मो. ९४३५०८९२६१
श्री दिनेश कुमार पारीक गर्ल्स हायर सैकेंडरी स्कूल रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९६७८६७६१८९	**श्री गौरी शंकर तिवारी** मेसर्स - एन.बी. रोडलाइंस फैंसी अली, जोरहाट, असम मो. ९४०१८६३३३०	**श्री इंद्र चंद पारीक** ढेकियाजुली, सोनितपुर, असम मो. ८६३८८३३९८४	**श्री जुगल किशोर शर्मा** एच.के. पथ, टोकोबाड़ी, कलामंदिर, कामरूप, असम मो. ९८६४०२२३५४	**श्री कमल कुमार सराफ** बोंगाईगाँव, असम मो. ६००३५६८२७०
श्री दिनेश वर्मा मेन रोड, ढेकियाजुली सोनितपुर, असम मो. ९४३५०८३२३५	**श्री गौतम कुमार राठी** धेमाजी चार्ली, धेमाजी, असम मो. ९४३५०८८६६४	**श्रीमती इंद्रा देवी आंचलिया** मेन रोड, सिलापथार धेमाजी, असम मो. ७००२७६३०४३	**श्रीमती ज्योति अग्रवाल** तेज़पुर रोड, विश्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ९४३५५०६४६६	**श्री कमल सुराना** बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१७६९
श्री दीपेश कुमार अग्रवाल मेन रोड, बड़ा बाज़ार बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२००९३	**श्री गौतम मोरे** माधव देव पथ, हैबरगांव नगांव, असम मो. ९८६४४३८८९५	**श्रीमती इंद्रा देवी गट्टानी** लोखरा रोड, कामरूप, असम मो. ८७६१०१२८७८	**श्रीमती ज्योति जोधानी** फाटाशिल अंबारी, काली मंदिर, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०९३६४१	**श्री कमलेश जैन** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५२११७३४
श्रीमती दीपिका जोशी भरलुमुख, गुवाहाटी, असम मो. ९१०१४४७८४६	**श्री गौतम मुंदड़ा** एस.एम.एस. रोड, हैबरगांव नगांव, असम मो. ८४८६०३२२५५	**श्री जय चंद लाल भूरा** स्टेशन रोड, करीमगंज करीमगंज, असम मो. ८०९९८४६९५८	**श्रीमती ज्योति शर्मा** उत्तर बोंगाईगाँव बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५३४५२०८	**श्रीमती कंचन माहेश्वरी** मेसर्स - कंकरिया स्टोर मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६९९४८१४८
श्रीमती दीपिका मुंधड़ा जी-एक्सटेंशन रोड, नहारलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५३१३८१३	**श्रीमती गुलाब बैद** मायापुरी, बोंगाईगांव बोंगाईगांव, असम मो. ७००२३४३३६३	**श्री जय कुमार सिपानी** जागीरोड, मोरीगांव, असम मो. ८६३८१०२४३०	**श्रीमती ज्योति सुरेका** ए.जी.पी. ऑफिस के पास, मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१९१२९३५	**श्रीमती कंचन शर्मा** ए. के. आजाद रोड, रेहाबाड़ी, कामरूप, असम मो. ९४३५३०६३५७

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती कांता मित्तल पोस्ट ऑफिस लेन, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९०८५०९०९९७	**श्रीमती खुशबू मोरे** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ८१३३९१२६३०	**श्रीमती कुसुम देवी** सामसुखा, मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७२०७९९	**श्रीमती मधु डागा** भोला मेंशन, एच.बी. रोड फैंसी बाज़ार, गुवाहाटी, असम मो. ७००२९८५११५	**श्रीमती मैना हरलालका** पगलास्थान रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२८०२७१०
श्रीमती कांता सुराणा मेसर्स - कमल स्टोर, नॉर्थ बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ८३९९०८६४८३	**श्रीमती किरण भरतिया** अंबारी, विश्वनाथ चार्ली सोनितपुर, असम मो. ९८६४८९५९४२	**श्रीमती कुसुम जैन** मेन रोड, नहारलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९६१२१५९५०२	**श्रीमती मधु देवी नाहटा** मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१९६३७०६	**श्री माखन लाल गट्टानी** श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी के सामने, ए.टी. रोड, जोरहाट, असम मो. ९४३५०५०३३७
श्रीमती कौशल्या व्यास कुमारपाड़ा पचली गुवाहाटी, असम मो. ९८६४४२२३३०	**श्रीमती किरण देवी चांडक** मेन रोड, नहारलगुन, ईटानगर पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४०१५८३०	**श्री ललित कुमार अगरवाला** पंचायती ठाकुरबाड़ी के सामने, राहा, नगाँव, असम मो. ९४३५०६२९५३	**श्रीमती मधु जैन** ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८०१४३७६३००	**श्रीमती ममता अग्रवाल** ए.ओ.सी. रोड, बोंगाईगाँव असम मो. ८४८६५२६०२०
श्रीमती कविता गंगवाल बी.ओ.सी. गेट, नॉर्थ बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ६००१२९१११४	**श्रीमती किरण मालू** बी.आर. फुकन रोड फूल बागान, गुवाहाटी, असम मो. ७००२५१४७५७	**श्री ललित लोहिया** शांतिपुर, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९४३५५३७०६७	**श्रीमती मधु लुनिया** देबेन खोकलारी पथ, धीरेनपाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ८७९४४७३५७१	**श्रीमती ममता अग्रवाल** उल्लूबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१५७५७६
श्रीमती कविता जैन नहारलगुन, ईटानगर, पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश मो. ८५७५३५८४९९	**श्रीमती कीर्ति तुवानी** मेन रोड, बोंगाईगाँव बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२२०९०५५	**श्रीमती ललिता अग्रवाल** रेलवे गेट नंबर- ७ के पास बी.आर. फुक्कन, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५७०९६४३	**श्री महाबीर प्रसाद मोदी** ओल्ड ए.टी. रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५३३५७४५	**श्रीमती ममता बोथरा** ६०४ छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९४०१८१२२९१
श्रीमती कविता जैन (जोगाड़) आलू गोदाम गली, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०१२८९२	**श्री किशन लाल पारीक** के.पी. रोड, हनुमान मंदिर डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५०३५९६५	**श्रीमती ललिता देवी शर्मा** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७५७५९५५९६८	**श्री महाबीर सेठिया** मेन रोड, पोस्ट - ढेकियाजुली, सोनितपुर, असम मो. ९४३५०८१९७८	**श्रीमती ममता चौहान** ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ८८७६८७४५०५
श्रीमती कविता कोठारी मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५४८२२९९	**श्री किशोर कुमार शर्मा** दास पट्टी, करीमगंज, असम मो. ९१०१६५२२९३	**श्रीमती लक्ष्मी गिरिया** सेक्टर- सी, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५८०३११५	**श्री महादेव प्रसाद** मेसर्स- अभिनंदन ट्रेडिंग कंपनी जुनाई रोड, धेमाजी, असम मो. ९५८८००३११२	**श्रीमती ममता देवी सिंघी** रेहाबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०६७८४०
श्रीमती कविता सुरेखा बी.ओ.सी. गेट, बोंगाईगाँव बोंगाईगाँव, असम मो. ७६३६०७९००९	**श्री किशोर सुराना** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१९४५८१	**श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल** मेसर्स - दीपक सैनिटरी वेयर डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९८५४१३७३५१	**श्री महेंद्र प्रजापति** उषा गली, ए.टी. रोड कामरूप, असम मो. ९४३५१०१५६४	**श्रीमती ममता फुलफगर** ब्लॉक ७, ७A/ए, पैरामाउंट ग्रांडे नालापाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०१५५५६
श्रीमती कविता सुराणा चापागुड़ी रोड, नॉर्थ बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६३८६१२९८६	**श्रीमती कोमल पटवारी** सी-१, एस.जे. रोड, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९०७९१०२२८१	**श्रीमती लक्ष्मी तुवानी** मेसर्स–तिवारी एंटरप्राइज मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२२२८१	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** जी.एन.बी. रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५९९२८१३	**श्रीमती ममता जैन** आशी होलीराम हेरिटेज, कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम
श्री खेम चंद शर्मा एल. के. बी. रोड धेमाजी, असम मो. ८६३८७७४०४०	**श्री कृष्ण कुमार शर्मा** बड़ापुजिया चार्ली राहा, नगाँव, असम मो. ९६७८८४००९१	**श्रीमती लीला सिओटिया** एस.आर.सी.बी.रोड,फैंसी बाज़ार, गुवाहाटी, कामरूप, असम मो. ९८६४०२८७०७	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** एल.के.बी. रोड, सिलापथार धेमाजी, असम मो. ८६३८८४२१८२	**श्रीमती ममता जैन** सेक्टर-ए, नाहरलगुन पापुम पारे, अरुणाचल प्रदेश मो. ८७३२०१२३३१
श्रीमती खुशबू जैन नहारलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५८८३६७७	**श्रीमती कृष्णा देवी गट्टानी** ईटानगर, पापुम पेयर अरुणाचल प्रदेश मो. ९९५०००६१५५	**श्रीमती मधु अगरवाला** रेहाबाड़ी, बिलपार रोड गुवाहाटी, असम मो. ९४०१६६१२०९	**श्री महेश शर्मा** नगाँव, असम मो. ९४३५०६०४६१	**श्रीमती ममता शर्मा** रेहाबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९९५४०३३८११
श्रीमती खुशबू वर्मा कामरूप, असम मो. ९८७१७६१७९८	**श्रीमती कुसुम बैद** एम.एस. रोड, फैंसी बाज़ार कामरूप, गुवाहाटी, असम मो. ८६३८४०७५२०	**श्रीमती मधु भटेरा** ई-१०१, भरलुमुख गुवाहाटी, असम मो. ७०९९००३२६६	**श्रीमती मैना अग्रवाल** एस.सी. रोड, अठगाँव गुवाहाटी, असम मो. ९८६४३०२९२६	**श्री मानव अग्रवाल** ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो. ८८२२५९७६७५

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री मनीष गाड़ोदिया धींग रोड, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९७०६१५६००३	**श्रीमती मंजू देवी सेठिया** न्यू चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ९४३५०६३०५१	**श्री मनोज कुमार गंग** गोपालजी मार्केट, ब्रिज रोड करीमगंज, असम मो. ६००२८७२५३९	**श्रीमती मेघा अग्रवाल** बोरपाड़ा मेन रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ९८५९०५३३३०	**श्री मुरली अग्रवाल** शंकरदेव के सामने, धेमाजी, असम मो. ७००२११७५१९
श्री मनीष कुमार जैन बी.ओ.सी. गेट, चागुरी रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१६४७	**श्रीमती मंजू माहेश्वरी** प्राग ज्योतिष कॉलेज के सामने शांतिपुर- ९, कामरूप, असम मो. ९४३५१०१५०१	**श्री मनोज कुमार जैन** मेसर्स - ऋषभ ट्रेडर्स कोले रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३०२६३	**श्रीमती मेघा धूत** मेसर्स - रौनक एंटरप्राइज बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०३९१	**श्रीमती नम्रता राठी** बोरापानी, नाहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो : ९४३६८९५१६७
श्री मनीष नाहटा जी.एन.बी. रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१९७११९	**श्रीमती मंजू पारीक** आदर्श नगर, छत्रीबाड़ी माहेश्वरी भवन, गुवाहाटी, असम मो. ८६३८७८०६१३	**श्री मनोज कुमार जैन** बी.ओ.सी. गेट, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१५८१	**श्रीमती मीनाक्षी बुच्चा** शांतिपुर, गुवाहाटी, असम मो. ८८२२१३२४०२	**श्री नंद किशोर राठी** मेसर्स–एन.के. राठी एंड कंपनी के बी रोड, लखीमपुर, असम मो. ९९५४४९९१४६
श्रीमती मनीषा चौहान ए.टी.रोड, गुवाहाटी, असम मो. ८८७६३५१०२८	**श्रीमती मंजुला जैन** जी.एम. कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९९५७१८१९४०	**श्री मनोज कुमार तोदी** मेसर्स - तोदी एंड कंपनी एच.एस. रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५३९४०३५	**श्रीमती मीनू देवी दुधोरिया** महावीर अपार्टमेंट ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५५९०८१	**श्रीमती नंदनी बेंगानी** फाटाशिल, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४५१७१५१
श्रीमती मंजू अग्रवाल टी.एन.टावर, ए.टी. रोड कामरूप, असम मो. ९८६४०६२७२७	**श्री मन्नू जितानी** ए.टी. रोड, जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ७००२३१७६२१	**श्री माता राम प्रजापत** खेलमती, उत्तरी लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ६०००७१५०२६	**श्रीमती मीरा सुराना** शांति निकेतन, जेल रोड गुवाहाटी, कामरूप, असम मो. ९४३५०४२८००	**श्री नारायण पारीक** खोवा रोड, नगांव, असम मो. ७०८६०५५७३३
श्रीमती मंजू बुधिया ए.ओ.सी. रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१४२१२७९	**श्री मनोज हेमानी** एल.के.बी. रोड, सिलापथार, धेमाजी, असम मो. ७००२६७६६१७	**श्री मतुराम शर्मा** मेसर्स - शर्मा राइस मिल तुपाकुची, राहा, नगाँव, असम मो. ८६३८४५५१००	**श्री मोहन लाल बोथरा** मेसर्स - अरिहंत टेक्सटाइल पुराना स्टेशन रोड करीमगंज, असम	**श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल** मेसर्स- रामदेव विनोद कुमार ढाकापट्टी, नगांव, असम मो. ९४३५०६०५४७
श्रीमती मंजू देवी चांडक मेसर्स- श्री गणेश मार्केटिंग बाजार रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम	**श्री मनोज जैन** जालान नगर, सेउजपुर रोड, डिब्रूगढ़, असम मो. ६०००९२१९७५	**श्रीमती माया अग्रवाल** बड़ा बाज़ार, डी.सी. ऑफिस के पास, बोंगाईगाँव, असम मो. ८४७१८०१३०५	**श्री मोहन लाल तापड़िया** टी.बी.रोड, उत्तरी लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८५२७०	**श्री नरेंद्र कुमार जैन** मेसर्स - जैन ब्रदर्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०८९१
श्रीमती मंजू देवी डागा भोला मेंशन, एच. बी. रोड फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम मो. ७००२९८५१५१	**श्री मनोज जैन** मेसर्स - दीपक भंडार मेन रोड, धेमाजी, असम मो. ७००२७१७३४५	**श्रीमती माया देवी चांडक** मेन रोड, नाहर लगुन, ईटानगर पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८८७३००६६९६	**श्रीमती मोहिनी अग्रवाल** नाहरलगुन, ईटानगर पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश	**श्री नरेश बंसल** सक्सेना कॉलोनी बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१२५०
श्रीमती मंजू देवी दुग्गड़ चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५४८२३६६	**श्री मनोज जैन** मेसर्स - जैन ब्रदर्स, स्टेशन रोड, करीमगंज, असम मो. ९४३५५९६४९४	**श्रीमती माया सोनी** आलू गोदाम गली, गवाहाटी, असम मौ. ८०११०८९३५०	**श्री मोहित तोदी** मेसर्स – तोदी एंड कंपनी एच.एस.रोड, डिब्रूगढ़, असम मो : ९४३५३९४०३५	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** कोलिया पानी रोड, डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९९५७००६४८८
श्रीमती मंजू देवी जैन मेन रोड, नाहरलगुन, ईटानगर पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४४५८६३६	**श्री मनोज करनानी** मेसर्स - मनोज ऑटोमोबाइल्स ए.टी. रोड, जोरहाट, असम मो. ९४३५०५२९१७	**श्रीमती माया सुरेका** चापागुड़ी रोड, उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५५१२६११	**श्री मूलचंद बाजडोलिया** एनएच-१५, मेन रोड, बंदरदेवा, लखीमपुर, असम मो. ६०००० ६१२४५	**श्री नरेश कुमार नहाटा** ओल्ड स्टेशन रोड, करीमगंज, असम मो. ९४३५६६५८८८
श्रीमती मंजू देवी मोहता आशी भागीरथ एवेन्यू भरालुमुख, गुवाहाटी, असम मो. ८६३८६९४३७९	**श्री मनोज कुमार बाकलीवाल** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१८७८	**श्री मयंक भट्टर** के.बी. रोड, मालपानी चार्ली, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९४३५७७७७७९	**श्री मुकेश अग्रवाल** एम. टी. रोड, उत्तरी लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९७०६७६४००८	**श्री नरसिंह लाल अगरवाला** पंचायती ठाकुरबाड़ी के सामने, राहा, नगांव, असम मो. ९४३५१६२९९९
श्रीमती मंजू देवी सेठिया लक्खी भवन, कामाख्या गेट गुवाहाटी, कामरूप, असम मो. ९८६४११०१११	**श्री मनोज कुमार बोथरा** स्टेशन रोड, करीमगंज, असम मो. ९४३५०७४५७४	**श्रीमती मीना जैन** डी/४ उदयपुष्प वाटिका, बी.ओ.सी.गेट, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२१५१०	**श्री मुकेश कुमार जाजू** गांधी चौक, पोस्ट-डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५५२९५११	**श्री नवीन पंवार** दोलाईगाँव पीटी-१, वार्ड नं. १३, बोंगाईगाँव, असम मो. ८६३८१९८९३७

RUPA®
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 30th May, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com